दिल्ली
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्यूनतम तापमान 21 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 25 डिग्री
न्यूनतम तापमान 20 डिग्री

बुधवार 08 अक्टूबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06:18 बजे
सूर्यास्त सांय 18:03 बजे

www.khabariya.com
एनसीआर टुडे
करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 महर्षि वाल्मीकि: शिक्षा, साधना और समाज का सच

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 354 | गाजियाबाद, बुधवार 08 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Paytm
Canara ai1 CBDC Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

सुप्रीम कोर्ट में बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई जारी

3.66 लाख मतदाताओं के नाम हटाने पर सख्त सवाल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

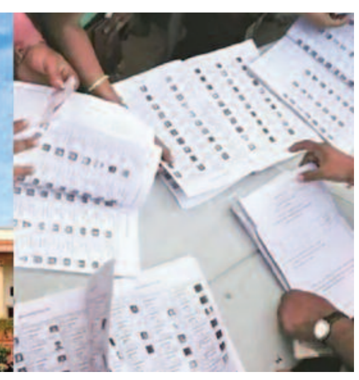

सुप्रीम कोर्ट में बिहार के एसआईआर मामले की सुनवाई सोमवार को शुरू हुई। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच इस केस की सुनवाई कर रही है। याचिकाकर्ता एडीआर के वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि फाइनल वोटर लिस्ट आने के बाद उन्हें मामले की गंभीरता का पता चला है।

प्रशांत भूषण ने कहा कि एसआईआर के लिए 2003 और 2016 में कोर्ट द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश मौजूद हैं, जिनमें फर्जी मतदाताओं को हटाने के नियम स्पष्ट किए गए थे। लेकिन आयोग ने समस्याओं को सुलझाने के बजाय और जटिलता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता का बिल्कुल अभाव है। 65 लाख से अधिक मतदाताओं को हटाने की जानकारी कोर्ट के आदेश के बाद ही उपलब्ध कराई गई। आयोग ने जरूरी दिशा-निर्देशों के अनुसार जानकारी सार्वजनिक नहीं की।

वहीं, वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि जिन 3.66 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनमें से किसी को भी इस बारे में नोटिस तक नहीं दिया गया। न तो किसी को हटाए जाने का कोई कारण बताया गया और न ही उन्हें अपनी बात रखने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि भले ही अपील का प्रावधान हो, लेकिन जानकारी ही नहीं होने की वजह से अपील करना संभव नहीं है।

चुनाव आयोग की ओर से वकील राकेश द्विवेदी ने इस बात का खंडन करते हुए कहा कि हटाए गए सभी मतदाताओं को सूचित किया गया है। उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट सूची और फाइनल सूची दोनों की प्रतियां सभी राजनीतिक दलों को भी उपलब्ध कराई गई हैं।

इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, "अगर आप हमें उन 3.66 लाख मतदाताओं की सूची दें, जिन्हें हटाए जाने के बारे में सूचना नहीं दी गई है, तो हम उन्हें सूचित करने का निर्देश देंगे। हर व्यक्ति को अपील का अधिकार मिलना चाहिए।"

कोर्ट ने चुनाव आयोग पक्ष के वकील से पूछा कि कितनी शिकायतें या आपत्तियां उन्हें मिली हैं और इन पर क्या कार्रवाई की गई है। राकेश द्विवेदी ने जवाब दिया कि ड्राफ्ट सूची में नाम होने और फाइनल सूची से नाम कटने की कोई शिकायत नहीं आई है। उन्होंने कहा कि आपत्तियों, दावों और नए वोटरों के नाम शामिल करने के लिए समय-समय पर कार्रवाई की जा रही है।

सुनवाई में ये मुद्दे उठाए गए कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और लोगों को उनके अधिकारों की जानकारी नहीं दी गई। कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिए कि वह पूरी जानकारी उपलब्ध कराए और हटाए गए मतदाताओं को उचित नोटिस दे। सुनवाई जारी है और कोर्ट जल्द ही इस मामले में अगला आदेश दे सकती है।

वैष्णो देवी यात्रा बुधवार से फिर शुरू होगी

✷ वेबवार्ता. जम्मू ✷

खराब मौसम के कारण श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मंगलवार को लगातार तीसरे दिन स्थगित रही। भारतीय मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया था।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया, 'मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर वैष्णो देवी यात्रा मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी स्थगित रही और यह बुधवार आठ अक्टूबर को फिर से शुरू होगी।'

उन्होंने कहा, 'भक्त आधिकारिक माध्यमों से अपडेट रह सकते हैं।' भारी बारिश के कारण 26 अगशत को यात्रा स्थगित कर दी गई थी। उस दिन अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश के बाद हुये भूस्खलन में 34 लोग मारे गये थे और कई अन्य घायल हुये थे। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने भूस्खलन के कारणों की जांच के लिए एक तीन सदस्य वाली उच्चशतरीय समिति का गठन किया था। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में उधमपुर में सबसे अधिक 100.2 मिमी बारिश हुई। इसके बाद बटोटे में 98.2 मिमी, डोडा में 86 मिमी, भद्रवाह में 77 मिमी, बनिहाल में 75.8 मिमी, काजीगुंड में 70 मिमी, कुकरनाग में 68.9 मिमी, रामबन में 68.5 मिमी और पहलगाम में 52.6 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने आठ अक्टूबर को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और 9 से 17 अक्टूबर तक आमतौर पर शुष्क मौसम रहने का अनुमान लगाया है।

न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति विवाद पर संविधान पीठ करेगी विचार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने देश भर के अधीनस्थ न्यायपालिकाओं में न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति और अन्य सुविधाएं प्रदान करने से संबंधित विवाद मामले को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष रखने का मंगलवार को फैसला किया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने न्यायिक अधिकारियों की सेवा शर्तों, वेतनमान और पदोन्नति से संबंधित मुद्दों पर अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह संदर्भ आदेश पारित किया। पीठ की ओर से मुख्य न्यायाधीश ने (सुनवाई के दौरान) दोनों पक्षों द्वारा उठाई गई चिंताओं को स्वीकार किया, लेकिन एक उचित संतुलन बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। CJI ने कहा, "एक युवा न्यायिक अधिकारी जो 25 या 26 वर्ष की आयु में सेवा में प्रवेश करता है और केवल एक अतिरिक्त ज़िला न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त होता है। उसे स्वाभाविक रूप से कुछ हद तक निराशा होगी।" उन्होंने ज़ोर दिया कि न्याय प्रशासन की दक्षता बढ़ाने के लिए किसी प्रकार का संतुलन और कोई मध्यमार्ग आवश्यक है।

पीठ ने आगे कहा, "किसी भी स्थिति में पूरे विवाद को सुलझाने और एक स्थायी समाधान के लिए हमारा विचार है कि इस मुद्दे पर पांच न्यायाधीशों वाली एक संविधान पीठ द्वारा विचार किया जाए।" शीर्ष अदालत ने कहा कि न्यायपालिका में प्रवेश श्तर के पदों पर शामिल होने वालों के लिए उपलब्ध सीमित पदोन्नति के अवसरों को दूर करने के लिए एक व्यापक समाधान की आवश्यकता है।

पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर शीर्ष अदालत द्वारा पहले जारी किए गए नोटिसों के जवाब में कई उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों ने अलग-अलग विचार व्यक्त किए थे।

शीर्ष अदालत ने कहा, "कुछ उच्च न्यायालयों का मानना है कि मौजूदा स्थिति के कारण (जो न्यायाधीश शुरुआत में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में सेवा में आते हैं) वे ज़िला न्यायाधीश के पद तक पहुंचने की स्थिति में नहीं होते।"

पीठ ने कई राज्यों में व्याप्त "विषम स्थिति" का संज्ञान लिया, जहाँ न्यायिक अधिकारी (जो न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) के रूप में अपना करियर शुरू करते हैं) अक्सर प्रधान ज़िला न्यायाधीश (पीडीजे) के पद तक पहुँचने से पहले ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

पीठ ने कहा कि ऐसे हालात में उनके बारे में उच्च न्यायालय की पीठ में पदोन्नति की बात ही छोड़ दें।

पीएम ने CJI पर हमले की कोशिश की निंदा की, संयम को सराहा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। बीते रोज सीजेआई जस्टिस बीआर गवई के सामने जूता उछाने की घटना की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह के कृत्यों की हमारे समाज में कोई जगह नहीं है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने सीजेआई के धैर्य और संयम की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने सीजेआई गवई से बात की है और स्पष्ट कहा है कि हमारे समाज में ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज सुप्रीम कोर्ट परिसर में उन पर (सीजेआई गवई पर) हुए हमले से हर भारतीय नाराज़ है। हमारे समाज में ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। यह पूरी तरह से निंदनीय है। प्रधानमंत्री मोदी ने संकट की इस घड़ी में जस्टिस गवई द्वारा दिखाए गए संयम और धैर्य की भी प्रशंसा की।

ईडी ने पीएमएलए मामले में आईडीबीआई बैंक को 1.34 करोड़ रुपये लौटाये

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय ने कमल कालरा से जुड़े एक मामले में 1.34 करोड़ रुपये की आपराधिक आय उपयुक्त दावेदार आईडीबीआई बैंक को वापस कर दी है। ईडी ने बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकी (एफआईआर) के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की थी। यह एफआईआर विभिन्न फर्मों और कंपनियों के 59 चालू खाताधारकों के साथ-साथ अज्ञात बैंक अधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज की गयी थी। ईडी की जांच से पता चला है कि हांगकांग (एसएआर, चीन) और दुबई स्थित कई कंपनियों को भारी रकम भेजी गयी थी। ये लेनदेन हवाला ऑपरेटरों और व्यापारियों की मिलीभगत से अग्रिम आयात भुगतान और सॉफ्टवेयर आयात के लिए धन प्रेषण की आड़ में किये गये थे।

'एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में कोई गड़बड़ी नहीं', विमानन मंत्री राममोहन नायडू का बयान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो रही है। इस हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। मंत्री का यह बयान तब आया है, जब कुछ लोग विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जांच पर सवाल उठा रहे हैं। नायडू ने कहा कि यह जानने के लिए कि वाश्तव में क्या हुआ था, सभी को एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। विमानन मंत्री ने कहा, जांच में कोई हेराफेरी या कोई गड़बड़ी नहीं हो रही है। यह एक बहुत ही साफ-सुथरी और गहन प्रक्रिया है, जिसे हम नियमों के मुताबिक कर रहे हैं। नायडू राष्ट्रीय राजधानी में एक पुश्तक विमोचन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, अंतिम रिपोर्ट आने में अभी कुछ समय लगेगा। एएआईबी इस पर बहुत ही पारदर्शी और स्वतंत्र तरीके से जांच कर रहा है।

कांग्रेस की केंद्रीय समिति की कल बैठक, बिहार चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम फैसला

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की कल बैठक होने वाली है, जिसमें आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर फैसला लिया जा सकता है। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे डिजिटल माध्यम से इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में सीईसी के सदस्य और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

कैबिनेट मीटिंग : रेलवे की 894 किमी लंबी चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केन्द्र सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों से होकर गुजरने वाली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इससे भारतीय रेल नेटवर्क में 894 किलोमीटर का इजाफा होगा। परियोजना पर 24,634 करोड़ रुपये (लगभग) की लागत आयेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी। ये परियोजनाएँ हैं-वर्धा-भुसावल-तीसरी और चौथी लाइन-314 किलोमीटर (महाराष्ट्र)। गोंदिया-डोंगरगढ़-चौथी लाइन-84 किलोमीटर (महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़)। वडोदरा-रतलाम-तीसरी और चौथी लाइन-259 किलोमीटर (गुजरात और मध्य प्रदेश)। इटारसी-भोपाल-बीना चौथी लाइन-237 किलोमीटर (मध्य प्रदेश)।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कैबिनेट के फैसले के बारे में राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 85.84 लाख की आबादी के लगभग 3,633 गाँवों और दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक कनेक्टिविटी बढ़ाएगी।

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएँ पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुसार बनाई गई हैं। इनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएँ लोगों, वश्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। परियोजना खंड सांची, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, भीमबेटका की शैलाश्रय, हजारा जलप्रपात, नवेगाँव राष्ट्रीय उद्यान आदि जैसे प्रमुख स्थलों के लिए रेल संपर्क भी प्रदान करेगी। इससे देशभर से पर्यटक यहां आकर्षित होकर आयेंगे।

वैष्णव ने कहा कि यह कोयला, कंटेनर, सीमेंट, फ्लाई ऐश, खाद्यान्न, इस्पात आदि जैसी वश्तुओं के परिवहन के लिए एक आवश्यक मार्ग है। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 78 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) का अतिरिक्त माल यातायात होगा।

रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन साधन होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (28 करोड़ लीटर) को कम करने और सीओ2 उत्सर्जन (139 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा। यह छह करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

जम्मू-कश्मीर के बाढ़ एवं भूस्खलन प्रभावित किसानों को पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के बाढ़ एवं भूस्खलन प्रभावित किसानों को पीएम-किसान योजना की 21वीं किश्त अग्रिम जारी की। लगभग 8.55 लाख किसानों के खातों में सीधे करीब 171 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए, जिनमें 85 हजार से ज्यादा महिला किसान भी शामिल हैं।

मंगलवार को कृषि भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के साथ केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय कृषि सचिव डॉ देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट उपस्थित रहे। जम्मू एवं कश्मीर के कृषि मंत्री जावेद अहमद डार तथा अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी और किसान प्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। अब तक जम्मू-कश्मीर के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत कुल 4,052 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं।

इस मौके पर शिवराज सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बाढ़ और आपदा प्रभावित किसानों के लिए केंद्र सरकार की ओर से यह राशि किसानों को राहत प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हुई है। सरकार किसानों को संकट के पार निकालेगी। सरकार ने लगभग 5100 घरों के पुनर्निर्माण के लिए 85 करोड़ रुपए का प्रशताव भी स्वीकृत किया है। शिवराज सिंह ने कहा कि मनरेगा के तहत 100 दिनों के बजाय 150 दिनों की मजदूरी दी जाएगी। आपदा के इस समय में अन्य सभी प्रकार से हरसंभव सहायता की जाएगी।

मध्य प्रदेश सिरप कांड : संदेह के घेरे में आई गुजरात की दो फार्मा कंपनियां, जांच जारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोलड्रिफ कफ सिरप कांड में अब गुजरात की दो फार्मा कंपनियां भी संदिग्ध पाई गई हैं। सुरेंद्रनगर की एक फार्मा कंपनी का सिरप इस मामले में इश्तेमाल होने की जानकारी सामने आई है। दिल्ली की जांच टीम ने गुजरात की इन कंपनियों के कफ सिरप की जांच की है, जिनसे मध्य प्रदेश और गुजरात में बच्चों को यह कफ सिरप सप्लाई किया गया था।

गांधीनगर औषधि विभाग ने अहमदाबाद और सुरेंद्रनगर की दो कंपनियों में सख्त जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला है कि सुरेंद्रनगर की फार्मा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने कच्चा माल मध्य प्रदेश की एक कंपनी को दिया था। गांधीनगर में जांच जारी है, लेकिन कंपनी के मालिक इस मामले में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में इस कफ सिरप से कई बच्चों की मौत हो चुकी है। सिरप में डायइथाइलीन ग्लाइकॉल की मात्रा अधिक पाई गई है। हालांकि, राज्य का खाद्य एवं औषधि आयुक्तालय अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दे पाया है।

मध्य प्रदेश प्रशासन ने गुजरात सरकार को सूचित किया था कि कफ सिरप के 10 नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए गए हैं। इनमें से दो नमूने अहमदाबाद और सुरेंद्रनगर की कंपनियों के थे। केंद्रीय एजेंसी ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है।

देवांग शाह, एचआर मैनेजर (सुरेंद्रनगर की कंपनी) ने कहा, "हमारे यहां दिल्ली से जांच टीम आई थी। हम लोकल लेवल पर एनालिसिस कर रहे हैं और बाहर भी रिपोर्ट के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट 2 से 8 दिन में आ सकती है। जो भी रिपोर्ट आएगी, हम प्रेस रिलीज जारी करेंगे। हमारी कंपनी पांच-छह प्रकार की दवाएं बनाती है, जिनमें कफ सिरप और एसिडिटी की दवाएं शामिल हैं।"

गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने इस मामले पर बयान दिया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में कोल्ड कफ सिरप के कारण कई छोटे बच्चों की मौत हुई है। गुजरात सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार के साथ चर्चा करके राज्य में स्थित दो फार्मा कंपनियों (सेव फार्मा और रेन्डेक्स) को सील कर दिया है और जांच शुरू कर दी है।

गुजरात में बच्चों के लिए दवाएं बनाने वाली 624 कंपनियों की जांच के आदेश दिए गए हैं।

शेयर बाजारों : चौथे दिन भी तेजी, सूचकांक दो सप्ताह के उच्चतमस्तर पर

✷ वेबवार्ता. शिलांग ✷

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे दिन तेजी रही और प्रमुख सूचकांक दो सप्ताह के उच्चतम श्तर पर बंद हुये।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 136.63 अंक (0.17 प्रतिशत) की बढ़त में 81,926.75 अंक पर बंद हुआ। बीच कारोबार में एक समय यह 500 अंक से अधिक चढ़ चुका था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 30.65 अंक यानी 0.12 फीसदी ऊपर 25,108.30 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों का 23 सितंबर के बाद का उच्चतम श्तर है।

रियलिटी, तेल एवं गैस, फार्मा, ऑटो, वित्त, स्वास्थ्य और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांकों में तेजी रही। वहीं, बैंकिंग, एफएमसीजी, धातु और आईटी सेक्टरों में बिकवाली ज्यादा रही।

सेंसेक्स की 30 में 14 कंपनियों के शेयर हरे निशान में और अन्य 16 के लाल निशान में बंद हुये। भारती एयरटेल में सबसे अधिक 1.55 प्रतिशत की तेजी देखी गयी। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर भी 1.40 प्रतिशत चढ़ा। अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मारुति सुजुकी के शेयर भी बढ़त में बंद हुये।

एक्सिस बैंक का शेयर सबसे अधिक 2.13 फीसदी टूट गया। टाटा मोटर्स में 2.01 प्रतिशत, ट्रेंट में 1.78 फीसदी, इंफोसिस में 1.29, भारतीय स्टेट बैंक में 1.07 और हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.02 प्रतिशत की गिरावट रही। कोटक महिंद्रा बैंक, बीईएल, टाइटन और टीसीएस के शेयर भी लाल निशान में रहे।

बसीर मार्केट में हिंसक झगड़ा, वीडियो देख रोंगटे खड़े हो जाएंगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। गाजियाबाद के थाना मसूरी क्षेत्र में कपड़े बदलने को लेकर हुए एक झगड़े का रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मसूरी के मेन स्टैंड स्थित बसीर मार्केट में हुई इस वारदात से मार्केट में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, बसीर मार्केट की एक दुकान से खरीदे गए कपड़ों को बदलने को लेकर कुछ लोगों की पहले कहा-सुनी हुई। विवाद बढ़ने पर वे लोग अपने साथ कई अन्य लोगों को लेकर वापस दुकान पर आए। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि झगड़े की नीयत से दुकान में घुसे इन लोगों के हाथों में लोहे की रोड भी थी। वहीं, दूसरी ओर एक शख्स झाड़ू हाथ में लेकर मारने की मुद्रा में था। झगड़ा इतना बढ़ गया कि दुकानदारों को बाहर आना पड़ा। दुकानदार जैसे ही लोहे की रोड लेकर बाहर आए, हमलावर उन पर टूट पड़े और भीषण मारपीट शुरू कर दी। मार्केट के लोगों ने झगड़े का बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन मारपीट ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना के वायरल वीडियो को देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए हैं। मारपीट की सूचना मिलते ही मसूरी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और झगड़े में लिप्त कुछ लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले गई।

पटाखों के साथ आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। टीला मोड़ थाना पुलिस ने सोमवार रात छापेमारी कर एक मकान से बड़ी मात्रा में पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि जावली के एक मकान में पटाखे लाकर रखे गए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस पहुंची तो रोहतास के मकान से पुलिस को 13 डिब्बों में पटाखे रखे मिले। इनमें फुलझड़ी, पटाखे, अनार, चरखी व सुतली बम समेत कई तरह की आतिशबाजी रखी थी। मौके पर मौजूद रोहतास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसने बताया कि वह पास में ही एक गांव से पटाखे लेकर आया है। दीवाली पर बेचने के लिए सोमवार शाम को ही माल लेकर आया था। आरोपी के पास से इसका लाइसेंस भी नहीं मिला। आरोपी से पूछताछ कर पुलिस पटाखे बेचने वाले व्यक्ति का सुराग लगाने में जुटी है।

नई बस्ती में कोलल्ड्रिफ सिरप को लेकर हड़कंप, बिक्री पर रोक

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। गाजियाबाद की दवाइयों की सबसे बड़ी थोक मंडी नई बश्ती मार्केट की गलियों में इन दिनों 'कोलड्रिफ सिरप' को लेकर गहमागहमी का माहौल है। मार्केट में मौजूद 300 से ज्यादा होलसेल दुकानों के बीच यह दवा चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसके बाद प्रशासन और व्यापार मंडल ने सख्त कदम उठाए हैं। स्थानीय दुकानदारों से बातचीत में पता चला कि 'कोलड्रिफ सिरप' को बाहर की एक लोकल कंपनी बनाती है। दुकानदारों ने साफ किया है कि यह प्रोडक्ट अभी गाजियाबाद या दिल्ली-एनसीआर के बाज़ारों में नहीं बिकता। उनके अनुसार, कंपनी की कोई डिस्ट्रीब्यूशन लाइन यहां नहीं है, जिसके चलते यह दवा मार्केट में उपलब्ध नहीं है। इस सिरप को लेकर उठे विवाद के बाद गाजियाबाद शास्त्री नगर और ड्रग डिपार्टमेंट की तरफ से गाइडलाइन जारी की गई है। इन सरकारी निर्देशों के बाद, गाजियाबाद नई बश्ती दवाइयां मार्केट एग्जीबिशन (व्यापार मंडल) द्वारा भी सभी जगह सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। व्यापार मंडल ने सभी थोक विक्रेताओं से कहा है कि 'कोलड्रिफ सिरप' को कोई न बेचे।

जमालपुर ओवर ब्रिज से रेडियो कॉलोनी तक गरजा महाबली

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के शहर को जाम मुक्त बनाने की दिशा मे नगर निगम द्वारा जमालपुर ओवर ब्रिज से रेडियो कॉलोनी तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया जिस मे सड़क किनारे स्थाई और अस्थाई अतिक्रमण नगर निगम के महाबली द्वारा ध्वश्त किया गया। नगर आयुक्त ने चेतावनी दी की जो लोग सड़क या सड़क किनारे फुटपाथ की पटरी पर अतिक्रमण किया है वो तुरंत हटा ले अन्यथा की स्थिति मे नगर निगम द्वारा उनका सामान जब्त कर लिया जायेगा। उन्होंने कहां की कुछ स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण की वजह से शहर की जनता को आये दिन जाम जैसी विकराल समस्या से रूबरू होना पड़ता है इसके निदान के लिए सभी को सहयोग की भावना से स्वयं अतिक्रमण को हटाने के लिए आगे आने की जरूरत है नगर निगम ऐसे लोगों का सम्मान करेंगा।

हिमाचल में समय से पहले शुरू हो गई बर्फबारी

चारों तरफ छाई हुई है सफेदी; मैदानों पर बारिश का अलर्ट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में अक्तूबर के शुरुआती हफ्ते में हो रही बर्फबारी ने पूरे प्रदेश को ठंड की चपेट में ला दिया है। आमतौर पर दिसंबर-जनवरी में गिरने वाली बर्फ इस बार समय से पहले गिरने से मौसम ने सबको चौंका दिया है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा जिलों के ऊपरी इलाकों में रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है, जबकि राजधानी शिमला समेत राज्य के कई मैदानी क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर जारी है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में यह बदलाव आया है। तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है और पहाड़ी इलाकों में ठंड ने दिसंबर जैसी दस्तक दे दी है।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री नीचे चला गया है। लाहौल-स्पीति जिला मुख्यालय केलंग में सोमवार को न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे यहां सर्दी का असर तेज हो गया है। किन्नौर के कल्पा में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री, ताबो और कुकुमसेरी में 5.2 डिग्री, नारकंडा में 5.8, डलहौजी में 6, कुफ़री में 6.8, मनाली में 8.5, भरमौर में 7 और राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। तापमान में गिरावट के चलते लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए हैं और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अलाव का सहारा लेना शुरू कर दिया है।

पूरी घाटी में दो इंच तक ताजा बर्फबारी हुई

लाहौल–स्पीति में बीती रात से बर्फबारी के दौर चल रहा है। अटल टनल रोहतांग, सिस्सू और कोकसर सहित पूरी घाटी में दो इंच तक ताजा बर्फबारी हुई है। बर्फबारी के चलते सड़कों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है और वाहन धीरे–धीरे रेंगते हुए चल रहे हैं। लाहौल घाटी में ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार अगले 24 घण्टों के दौरान ऊंचे इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी रहने की संभावना है। लाहौल स्पीति और चम्बा के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। चम्बा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल साच पास में भी सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई है। यहां दो से ढाई इंच तक ताजा बर्फ गिरी है। इससे क्षेत्र में सर्दी की शुरूआत हो गई है। लोग अब गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकल रहे हैं। किन्नौर में भी हल्का हिमपात हुआ है, जबकि निचले इलाकों में लगातार हल्की बारिश हो रही है। राज्य के कई निचले व मैदानी क्षेत्रों में भी बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, कांगड़ा जिला के गुलेर में सर्वाधिक 42 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि नगरोटा सुरियां में 38, भरविन में 37, देहरा गोपीपुर में 35, सिरमौर के पच्छाद में 34, हमीरपुर के अग्घर में 32 और नादौन में 28 मिलीमीटर वर्षा हुई है। कुल्लू जिले के गोंदला में 5 सेंटीमीटर और केलंग में 4 सेंटीमीटर बर्फबारी दर्ज की गई है।

सेक्टर-31 में पिलर बनने शुरू

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के काम ने पकड़ी रफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत सेक्टर-31 में ट्रैफिक सिग्नल के पास पिलर निर्माण का काम शुरू हो गया है। पिछले एक महीने से सेक्टर-44 स्थित जीएमडीए कार्यालय के सामने पिलर की खुदाई करके मशीन की टेस्टिंग का काम चल रहा था। इस मशीन की मदद से आठ घंटे में एक पिलर की खुदाई हो सकती है। 28.5 किमी लंबी ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के तहत कुल 27 स्टेशन का निर्माण होगा।

गत 5 सितंबर को ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के पहले चरण का उद्घाटन हुआ था। इसमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शामिल हुए थे। उद्घाटन समारोह के बाद सूरत से पिलर की खुदाई को लेकर पहुंचीं मशीन की टेस्टिंग की जा रही थी। इसमें सफलता मिलने के बाद रविवार रात को इस मशीन को सेक्टर-31 में ट्रैफिक सिग्नल के पास डिवाइडर पर पहुंचाया गया। डिवाइडर के दोनों तरफ एक-एक लेन को निर्माणाधीन कंपनी ने बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया।

मेट्रो निर्माणाधीन कंपनी ने मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से सुभाष चौक की तरफ जा रही सड़क में करीब 100 मीटर तक बैरिकेड लगाकर काम शुरू किया है। ट्रैफिक को तीन लेन के बजाय दो लेन में डायवर्ट किया है। तीन लेन से दो लेन में आने के दौरान वाहनों की रफ्तार में कमी आई है।

निर्माणाधीन कंपनी ने जीएमडीए ऑफिस के सामने भी मुख्य सड़क पर करीब 100 मीटर तक बैरिकेड लगाए हैं। तीन लेन की सड़क के दो लेन के होने की वजह से सेक्टर-44 स्थित पार्किंग में मुड़ने के दौरान या बाहर निकलने के दौरान वाहन चालकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

नकली सोने की ईंट बेचकर ठगने वाले 2 शातिर ठग दबोचे

नूंह , एजेंसी। नूंह के साइबर अपराध थाना पुलिस टीम ने नकली सोने की ईंट बेचकर लोगों से ठगी करने वाले गैंग के दो शातिर ठगों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नूंह के तिरवाड़ा गांव निवासी इब्बन और सालाहेड़ी निवासी तौफिक के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से फर्जी सिम कार्ड, मोबाइल फोन, नकली सोने की ईंट के टुकड़े, हथौड़ी और छैनी सहित कई अन्य सामान बरामद किए हैं।

जिला पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि साइबर अपराध की रोकथाम के लिए साइबर पुलिस की एक टीम घासेड़ा बाईपास पर मौजूद थी। उसी दौरान सूचना मिली कि इब्बन और तौफिक फर्जी सिम कार्ड की मदद से लोगों को सोने की ईंट बेचने का झांसा देकर ठगी करते हैं और फिलहाल बाईपास पर मौजूद हैं। सूचना के आधार पर टीम ने तुरंत छापेमारी कर दोनों युवकों को दबोच लिया। उन्होंने पूछताछ में अपने नाम इब्बन और तौफीक बताए। तलाशी लेने पर इब्बन से एक मोबाइल फोन, अन्य व्यक्तियों के नाम से जारी दो सिम कार्ड और एक छोटी पॉलीथिन में पीले रंग की धातु के सैंपल मिले। वहीं, तौफिक से एक मोबाइल फोन, एक हथौड़ी, छैनी और नकली सोने की ईंट के टुकड़े बरामद किए गए।

फरीदाबाद में बुलडोजर ऐक्शन, दो अवैध कॉलोनियों में तोड़फोड़ की गई

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद में डीटीपी इन्फोर्समेंट की टीम ने अवैध निर्माणों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया। टीम ने सोमवार को गांव मच्छगर और दयालपुर में करीब 10 एकड़ में बसाई जा रही दो अवैध कॉलोनियों में तोड़फोड़ कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने बुलडोजर से अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया तो पुलिस ने उन्हें समझा शांत कर दिया। डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी ने बताया कि उन्हें कई दिनों से गांव मच्छगर और दयालपुर क्षेत्र में अवैध रूप से कॉलोनियों बसाने की सूचना मिल रही थी। सूचना के आधार पर टीम गठित की गई। टीम को मौके पर कार्रवाई के आदेश दिए गए। सोमवार को विभागीय टीम दो जेसीबी के साथ कॉलोनियों में पहुंची। इस दौरान गांव मच्छगर में छह एकड़ और दयालपुर में करीब 4 एकड़ में कॉलोनियां बसाई जा रही थी।

राव नरेंद्र सिंह की ताजपोशी में नहीं रहे कैप्टन अजय यादव और कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, एजेंसी।

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की सोमवार को ताजपोशी हो गई है। उन्होंने प्रदेश कार्यालय जाकर पदभार संभाल लिया। इस मौके पर नेता विपक्ष भूपिंदर सिंह हुड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला और रोहतक के सांसद दीपेंदर हुड्डा मौजूद थे। इसके अलावा राज्य के प्रभारी बीके हरिप्रसाद भी मौके पर पहुंचे, लेकिन जो लोग नहीं पहुंचे, उनकी चर्चा ज्यादा रही। इन लोगों में कांग्रेस के सीनियर नेता कैप्टन अजय सिंह यादव और कुमारी सैलजा शामिल हैं। कैप्टन अजय यादव ने तो ट्विटर पर एक पोस्ट लिखकर राव नरेंद्र सिंह को अध्यक्ष बनाए जाने पर खुला ऐतराज जाहिर किया था। उन्होंने कैश फॉर लैंड यूज केस में राव नरेंद्र सिंह के खिलाफ दर्ज एफआईआर का हवाला दिया था। उनका कहना था कि राहुल गांधी चाहते थे कि साफ छवि का कोई नेता हरियाणा में अध्यक्ष बने। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है और इससे जमीनी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है। उनका यह ट्वीट और फिर ताजपोशी से दूरी बनाना बता रहा है कि वह निर्णय से खुश नहीं हैं। वहीं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा को लेकर बताया जा रहा है कि वह बीते कुछ दिनों से विदेश में हैं। यही नहीं कार्यक्रम में मौजूद बीरेंद्र सिंह ने भी इशारों में ही नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि नए अध्यक्ष की यह जिम्मेदारी रहेगी कि वह जमीनी स्तर पर संगठन खड़ा करें और खासतौर पर ब्लॉक लेवल पर ऐसा किया जाए। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि यदि कांग्रेस में एकता रही तो हुड्डा 7 महीने में ही सीएम बन जाएंगे। इसके लिए 4 साल की जरूरत नहीं है। यदि कांग्रेस ने जमीन पर जनता को संदेश दिया तो फिर भाजपा को हरियाणा छोड़कर जाना होगा। हरिप्रसाद की ओर संकेत करते हुए बीरेंद्र सिंह ने कहा कि आपने राव नरेंद्र सिंह को अध्यक्ष बनाया है और हुड्डा को नेता विपक्ष बना दिया है। अब जमीन पर संगठन भी खड़ा करें। आपके पास 37 विधायक हैं और यह काम दो घंटे में हो सकता है।

इसके आगे नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं रहे कि पसंदीदा को लोगों को चुन लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि मेरे जैसे किसी वरिष्ठ नेता को अध्यक्ष बना दिया जाता तो बहुत लोग खिलाफ हो जाते।

जीडीए के जर्जर मकानों में रहने वालों को फ्लैट मिलेंगे, किन लोगों को फायदा

जीडीए और एनबीसीसी के बीच इस हफ्ते समझौता पत्र भी साइन हो सकता है

गाजियाबाद , एजेंसी।

जीडीए ने तुलसी निकेतन योजना के पुनर्विकास को लेकर प्रक्रिया तेज कर दी है। जीडीए और एनबीसीसी के बीच इस हफ्ते समझौता पत्र भी साइन हो सकता है, जिसके बाद वहां के जर्जर मकानों में रहने वाले लोगों को जल्द नए फ्लैट मिल सकेंगे।जीडीए वर्ष 1989-90 में 7.83 हेक्टेयर क्षेत्रफल में तुलसी निकेतन योजना लाया था, जिसमें 2004 ईडब्ल्यूएस और 288 एलआईजी बनाए गए। कुल 2,292 मकानों में 60 दुकान भी संचालित हैं। यहां 20 हजार से अधिक आबादी रहती हैं। मकानों की हालत काफी खराब होने के कारण कई बार हुए हादसों में लोगों के घायल होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए प्राधिकरण ने यहां बहुमंजिला इमारत बनाने की योजना तैयार की है। इसका प्रस्ताव बोर्ड बैठक में भी स्वीकृत हो चुका है। इसके बाद प्राधिकरण ने यहां के 2292 फ्लैट और 60 दुकानों का सर्वे भी कर लिया है। पिछले दिनों जीडीए को यहां बहुमंजिला इमारत का प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए एनबीसीसी के अधिकारियों ने प्रजेंटेशन भी दिया था। अब प्राधिकरण इस हफ्ते एनबीसीसी से समझौता पत्र (एमओयू) साइन कर सकता है। इसके बाद वह इस प्रोजेक्ट पर आगे काम करेगा।

एनबीसीसी इस प्रोजेक्ट पर दो चरणों में काम करेगा। अधिकारी बताते हैं कि एमओयू साइन होने के बाद पहले चरण में एनबीसीसी इंडिया अगले आठ हफ्तों के भीतर जीडीए को एक शुरुआती रिपोर्ट सौंपेगी, जिसमें देखा जाएगा कि यह प्रोजेक्ट कैसे और कितनी आसानी से तैयार किया जा सकता है। दूसरे चरण पहली रिपोर्ट के बाद काम को आगे बढ़ाने के लिए पूरी डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। ये प्रोजेक्ट पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर तैयार होगा।

सभी को फ्लैट देने की कवायद

जीडीए उपाध्यक्ष ने साफ कहा है कि इस योजना का मकसद कमाई करना बिल्कुल नहीं है। यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के उस विजन पर आधारित है, जिसका लक्ष्य है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सबसे गरीब तबके तर पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण नहीं चाहेगा कि योजना में रह रहे किसी भी परिवार को बेघर किया जाए। पुराने लोगों को ही आधुनिक सुविधाओं वाले रहने लायक नए आवास दिए जाएंगे। जीडीए के उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा कि तुलसी निकेतन योजना के फ्लैट जर्जर हो चुके हैं। ऐसे में इनका री डवलपमेंट किया जाएगा। इसके तहत यहां रहने वालों का सर्वे किया गया है। उम्मीद है कि एनबीसीसी के साथ जल्द समझौता पत्र पर सहमति बन सकेगी।

पोर्टल शुरू करने जा रहे हैं

गुरुग्राम और फरीदाबाद में 5 मिनट में पास होंगे बिल्डिंगों के नक्शे

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम और फरीदाबाद के निवासियों और बिल्डरों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। दोनों नगर निगम जल्द ही एक ऐसा अत्याधुनिक पोर्टल शुरू करने जा रहे हैं, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से भवनों के नक्शे को सिर्फ 5 मिनट के भीतर मंजूर कर देगा। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। यह कदम नक्शा मंजूरी की लंबी और थकाऊ प्रक्रिया को समाप्त कर देगा, जिससे शहर में अवैध निर्माण पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी। गुरुग्राम नगर निगम में भवनों के नक्शे पास करने के लिए अभी तक अपना कोई भी पोर्टल नहीं है। अभी तक शहरी स्थानीय निकाय विभाग की तरफ से होब पास नाम से एक पोर्टल बनाया हुआ था। उसी से भवनों के नक्शे पास होते थे। यह होब पास पोर्टल साल में 200 दिन भी मुश्किल से नहीं चल पा रहा था। इस कारण शहर के लोग अपने भवनों के नक्शे पास नहीं करवा पा रहे थे। बीते छह माह से अब पोर्टल पूरी तरह से बंद है। अब सरल पोर्टल के माध्यम से लोगों को अपने भवनों के नक्शे पास करवाने के लिए आवेदन करना पड़ रहा है। नियमों के अनुसार भवन का नक्शा पास करने की समय सीमा 30 दिन है, लेकिन लचर व्यवस्था के कारण लोगों को दो-दो माह तक नक्शे के लिए धक्के खाने पड़ रहे हैं। लंबा इंतजार और जटिल प्रक्रिया का अंत ़ वर्तमान में, नक्शे मंजूर करवाने में निवासियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे

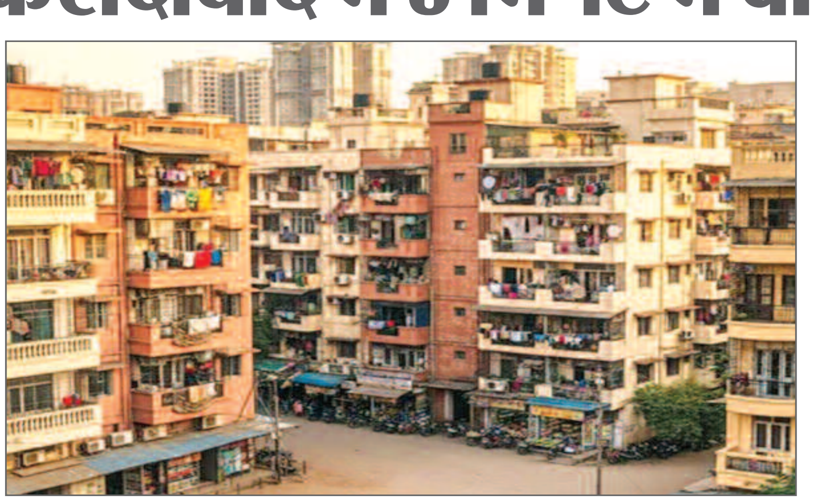

इंतजार के कारण पूरे साल में मुश्किल से 300 से 400 लोग ही नगर निगम से अपने भवनों के नक्शे पास करवा पाते हैं। इस जटिल प्रक्रिया से बचने के लिए लोग निगम की बिना अनुमति से ही हजारों की संख्या में अवैध भवनों का निर्माण कर रहे हैं। जिससे निगम को हर साल करोड़ों रुपयों के राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसी को लेकर निगम ने अब एआई के माध्यम से नया पोर्टल बनाने की तैयारी की है। निगम की इस योजना से शहर में अवैध निर्माणों पर लगाम लग सकेगी और निगम को करोड़ों रुपयों के राजस्व का फायदा भी मिलेगा। प्रदीप दहिया, निगम आयुक्त, गुरुग्राम, भवनों के नक्शे पास करवाने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए निगम की तरफ से अपना ही पोर्टल तैयार करवाया जा रहा है। एआई के माध्यम से 30 दिन की बजाय पांच मिनट में ही भवनों के नक्शे पास हो सकेंगे। इसको लेकर टीमें काम कर रही है। फरीदाबाद नगर निगम प्रशासन ने तेलंगाना की एक एजेंसी से संपर्क किया है। यह एजेंसी जल्द ही नगर निगम मुख्यालय में अपनी प्रस्तुति देगी। एजेंसी की प्रस्तुति से अधिकारी संतुष्ट होते हैं तो यहां भी इस योजना को मंजूरी दे दी जाएगी। तेलंगाना में सबसे पहले यह योजना शुरू हुई है। इसका पता चलने पर स्थानीय अधिकारियों की इस मुद्दे पर बैठक हुई। इसके बाद तेलंगाना में इस योजना पर काम कर रही एजेंसी से संपर्क किया गया।

20 लाख रुपये की मांग के चलते विवाहिता को घर से निकाला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर में दहेज में 20 लाख रुपये की मांग के चलते महिला और उसकी बेटी को मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगा है। काउंसलिंग के दौरान भी दोनों पक्षों में सहमति नहीं बनने पर मोदीनगर कोतवाली में पति सहित छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। बलवंतपुरा कॉलोनी में रहने वाली ज्योति के अनुसार, उसकी शादी दिसंबर 2022 में मार्कपुर गुर्जर सादाबाद बिजनौर निवासी रोहित से हुई थी। रोहित रेलवे में नौकरी करता है। शादी के बाद ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करते थे। महिला ने वर्ष 2023 में एक बेटी को जन्म दिया। इसके बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज में 20 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। महिला पर मायके वालों से जमीन नाम कराने के लिए दबाव बनाए जाने लगा। मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला और उसकी बेटी को घर से निकाल दिया। मामला काउंसलिंग गाजियाबाद पहुंचा, लेकिन दोनों पक्षों में सहमति नहीं बनी। डीसीपी ग्रामीण के आदेश पर थाने में पति रोहित, सास हरकली, जेठ दीपक, जेठानी रेनू ननद पूजा और ननदोई सचिन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है।

सिर से पटाखा टकराने पर किशोर झुलसा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर की कृष्णानगर कॉलोनी में जलता पटाखा किशोर के सिर से जा टकराया। इससे किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। उसे मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कृष्णा नगर कॉलोनी में पूजा परिवार सहित रहती हैं। उन्होंने बताया कि 15 वर्षीय भांजा केशव 29 सितंबर को साइकिल से दही लेने के लिए जा रहा था। राश्ते में एक युवक पटाखा जला रहा था। इसी बीच पटाखा उछलकर किशोर के सिर से टकरा गया। इस कारण वह साइकिल से गिर गया और बेहोश हो गया। आसपास के लोगों ने परिजनों को सूचना देकर उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण किशोर को मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी किशोर की हालत गंभीर बनी हुई है। पूजा ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है।

3.5 लाख की भैंस लेकर फरार हुए ठग

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर में 3 लाख रुपये कीमत की भैंस लेकर दो व्यक्ति फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को तलाश शुरू कर दी है। नगर की सहबिस्वा कॉलोनी में रहने वाले फारुख ने बताया कि पड़ोस में किराये पर रहने वाले महबूब 24 अगश्त को साढ़े तीन लाख रुपये कीमत की तीन भैंस ले गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने महबूब उर्फ मेहरबान, फरमान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कार में टक्कर मारने के विरोध पर युवक को पीटा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में कार में टक्कर मारने का विरोध जताने पर युवकों और उसके साथियों ने कार चालक युवक के साथ सरिया से मारपीट कर कार क्षतिग्रश्त कर दी। पीड़ति युवक की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। डीएलएफ अंकुर विहार निवासी ऋतिक मिश्रा तीन सितंबर की रात साढ़े नौ बजे किसी रेल विहार कॉलोनी में गए थे। इस दौरान एक कार चालक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। उन्होंने विरोध जताया तो पास खड़े निखिल खारी नामक युवक ने उनके साथ गाली गलौज कर हाथापाई की। इस पर वह कार में बैठकर वहां से निकल गए। आरोपी युवक ने फोन कर अपने दस से बारह साथियों को बुला लिया। जब वह काम समाप्त कर रेल विहार से लौट रहे थे तो आरोपी युवक ने एसएलएफ रोड पर मौजूद पानी की टंकी के पास कार को रोक लिया। आरोप है कि युवकों ने उनके साथ गाली गलौज कर कार से जबरन उतार कर सरिया से मारपीट की और कार को क्षतिग्रश्त कर दिया। राहगीरों ने मामले की वीडियो बनाई। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर निखिल, अंकित व अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कई ट्रेन विलंब से स्टेशन पर पहुंचीं

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को कई ट्रेन अपने निर्धारित समय से देरी से स्टेशन पहुंचीं। इनमें एक्सप्रेस के अलावा ईएमयू शामिल रहीं। इसकी वजह से यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल फेयर ट्रेन 14 घंटे देर से पहुंची। जालंधर सिटी इंटरसिटी एक्सप्रेस करीब एक घंटा 18 मिनट लेट आई। नई दिल्ली-गाजियाबाद ईएमयू करीब डेढ़ घंटे देरी से स्टेशन पर पहुंची। अवध असम एक्सप्रेस करीब एक घंटे लेट आई। इसके अलावा नई दिल्ली गाजियाबाद वूमेन स्पेशल, शालीमार मलानी और गाजियाबाद-नई दिल्ली ईएमयू कैंसिल रही।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के भोजपुर थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवती से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दुष्कर्म का विरोध करने पर युवती को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि मंगलवार को एक गांव निवासी युवती ने तहरीर दी कि गांव निवासी एक युवक द्वारा शादी का झांसा देकर काफी समय से दुष्कर्म करता आ रहा है। शादी की बात कहने पर आरोपी ने पीड़िता को मारपीट कर घायल कर दिया। सीओ ने बताया कि तुरन्त कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट दर्ज कर पीड़िता का मेडिकल परीक्षण करवाकर और आरोपी शमशाद को गिरफ्तार कर लिया है।

शहर के कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित रही

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। विद्युत निगम ने बिजनेस प्लान के तहत सिद्धार्थ विहार उपकेंद्र के गोशाला फीडर पर कार्य कराया। इस कारण कैलाशनगर क्षेत्र में अपराह्न 12 बजे से शाम चार बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही। प्रताप विहार-प्रथम उपकेंद्र के जीडीए फीडर पर दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक मरम्मत कार्य कराए गए। इसमें कैला खेड़ा और एच-ब्लाक सेक्टर-11 में दो घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। उपखंड अधिकारी रमेश चंद्र ने बताया कि कार्य पूरा होने के बाद दोनों जगह आपूर्ति की गई। वहीं गोविन्दपुरम में सुबह करीब 10 बजे कुछ देर के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित रही। विजयनगर के बागू और अकबरपुर बहरामपुर में भी बिजली कटौती रही।

जिलाबदर की हत्या वर्चस्व की जंग में हुई, 3 गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने एक अक्तूबर को जिलाबदर की हत्या के मामले में मंगलवार को मुख्य आरोपी समेत तीन को गिरफ्तार किया है। रंजिश, गुटबाजी और क्षेत्र में वर्चस्व बनाने के लिए आरोपी ने साथियों और परिजनों के साथ वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के बेहटा हाजीपुर में एक अक्बतूर की शाम को जिलाबदर विशाल अपने साथी दीपांशु के साथ दूसरे मोहल्ले में अत्री चक्की के पास गया था। रंजिश और क्षेत्र में वर्चस्व को लेकर उसकी अमन के साथ कहासुनी हुई थी। अमन के परिजन मौके पर पहुंच गए।

अमन ने साथियों और परिजनों के साथ मिलकर विशाल और दिपांशु के साथ मारपीट की। आरोपियों ने ईंट और पत्थर से कूचकर विशाल को घायल कर दिया था। परिजन विशाल को दिल्ली की जीटीबी अस्पताल ले गए थे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था।

विशाल के भाई सचिन ने अमन, तुषार, साहिल, संजीत उर्फ जीत, भीमा और अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि जांच के दौरान वरुण, देव उर्फ कालू और प्रिंस उर्फ पुच्ची निवासी बेहटा हाजीपुर के नाम प्रकाश में आए। मुकदमे में इनके नाम भी जोड़े गए हैं। लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने मंगलवार को मुख्य आरोपी अमन, वरुण और प्रिंस को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका और विशाल का क्षेत्र में वर्चस्व को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

चार माह पहले भी दोनों ने एक-दूसरे पर फायरिंग और पथराव किया था। अमन ने बताया कि एक अक्तूबर को भी विशाल से इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। विशाल पर ईंट से ताबड़तोड़ वार किए थे।

दो पुलिसकर्मियों पर गिरी थी गाज विशाल और अमन के बीच लंबे समय से रंजिश चली आ रही है।

वर्चस्व को लेकर दोनों में अक्सर संघर्ष होता था। इसी को लेकर विशाल को पुलिस ने 10 सितंबर को ही छह माह के लिए जिलाबदर किया था। अमन को भी जिलाबदर करने की संस्तुति कर रिपोर्ट भेजी जा चुकी थी।

पुलिस मुनादी करवाकर विशाल को जिलाबदर कर हापुड़ की सीमा पर छोड़ आई थी। बावजूद इसके वह अपने घर में ही रह रहा था और फिर उसकी हत्या कर दी गई। इस मामले में लोनी बॉर्डर चौकी प्रभारी योगेश कुमार और बीट पुलिस अधिकारी सिपाही महेश कुमार को निलंबित किया गया था। सीओ ने बताया कि फरार आरोपियों को भी पुलिस तलाश कर रही है।

होटल से मंगाए शाही पनीर में मांस निकला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लोनी थाना क्षेत्र में होटल से खाने के लिए मंगाए गए शाही पनीर में मांस निकला। पीड़ित ने होटल पर पहुंचकर विरोध किया तो दो कर्मचारियों ने गाली-गलौज कर हत्या की धमकी दी।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों गिरफ्तार किया है। गढ़ी जस्सी गांव निवासी कपिल लोनी नए बाजार में सुनार की दुकान पर नौकरी करते हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार दोपहर करीब चार बजे साथी पवन को सलाम होटल पर भेजकर खाने के लिए शाही पनीर और रोटी मंगवाई।

जब साथी खाना लेकर दुकान पर पहुंचा तो उन्होंने पनीर को प्लेट में निकाला। आरोप है कि प्लेट में पनीर के साथ मांस भी था।

इस पर वह साथी के साथ होटल पर पहुंचे और विरोध जताया। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद दो कारीगरों ने उनके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। होटल के कारीगरों ने उन्हें और साथी को वहां से भगा दिया।

इसके बाद पीड़ति ने मामले की शिकायत पुलिस से की। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपी परवेज निवासी खुशहाल पार्क थाना ट्रोनिका सिटी और फैजान निवासी गिरी मार्केट थाना लोनी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने स्वीकार किया कि पनीर पैक करते समय मांस के कुछ टुकड़े गिर गए थे, जिसका पता नहीं चला था।

रेलवे स्टेशन पर ब्रेल लिपि से दिव्यांगों को नई दिशा मिलेगी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन को जल्द ही दृष्टिबाधित यात्रियों के लिए और अधिक अनुकूल बनाया जाएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन को ब्रेल लिपि से सुसज्जित किया जाएगा। इस पहल के बाद दिव्यांग यात्रियों को स्टेशन पर सफर करना पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक और सुरक्षित हो जाएगा।

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन अतिव्यश्त स्टेशन की सूची में आता है। दृष्टिबाधित लोगों को कई बार प्लेटफॉर्म खोजने में तकलीफ होती है। इनके लिए संकेतक नहीं होने से ट्रेन पकड़ने में कठिनाइयों आती हैं। अब स्टेशन पर दिव्यांग यात्रियों के लिए ब्रेल लिपि की सुविधा मिलेगी।

अधिकारियों के अनुसार, प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज और स्टेशन के अन्य आवश्यक स्थान पर ऐसे संकेतक लगाए जाएंगे, जो ब्रेल लिपि में होंगे। इन संकेतों की मदद से दृष्टि बाधित यात्री प्लेटफार्म की पहचान कर सकेंगे। इससे उन्हें सही दिशा में जाने में मदद मिलेगी।

ब्रेल लिपि में प्लेटफॉर्म नंबर, दिशा संकेतक, शौचालय, प्रतीक्षालय, प्रवेश द्वार, निकास द्वार आदि अन्य महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। स्टेशन पर ब्रेल नेविगेशन मानचित्र और स्पर्शनीय टाइल भी लगाई जाएंगी। ब्रेल लिपि क्या है? ब्रेल लिपि पढ़ने-लिखने की एक विशेष विधि है।

इसे नेत्रहीनों या काम दृष्टि वालों के लिए डिजाइन किया जाता है। इसमें छोटे उभरे हुए बिंदु होते हैं, जिन्हें छूकर महसूस किया जा सकता है। इसमें लिखे संकेत यात्रियों को सही प्लेटफॉर्म की पहचान करने में सहायता प्रदान करते हैं। ब्रेल लिपि के संकेत से दृष्टिबाधित यात्री अधिक आत्मविश्वास महसूस करते हैं।

समाज के सामने सच्चाई लाने का कार्य करते हैं पत्रकार : अभय पांडेय

गंगा एक्सप्रेस-वे की मांग को लेखनी से शासन तक पहुंचाएं : अशोक मधुप

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷

पत्रकार एकता मंच के तत्वावधान में "पत्रकारिता में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं प्रशासनिक समन्वय" विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीओ अभय कुमार पांडेय व वरिष्ठ पत्रकार अशोक मधुप ने दीप प्रज्वलित कर किया। राखी कौशिक व उपासना कौशिक ने सरस्वती वंदना प्रश्तुत की, जबकि शायर मास्टर शमशेर अली शम्स ने नात-ए-पाक पेश की।

वरिष्ठ पत्रकार अशोक मधुप ने कहा कि पत्रकारों को विकास से जुड़े मुद्दों को लेखनी से प्रमुखता देनी चाहिए।

उन्होंने सोशल मीडिया पर अपुष्ट खबरें प्रसारित करने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई। साथ ही गंगा एक्सप्रेस-वे को बिजनौर से जोड़ने की मांग को शासन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

सीओ अभय पांडेय ने कहा कि पत्रकार समाज के सामने सच्चाई लाते हैं, इसलिए उन्हें समाज का आईना कहा जाता है। पत्रकारिता और पुलिस प्रशासन का आपसी समन्वय आवश्यक है।

डॉ. अमित कुमार सिंह ने कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य सत्ता की गलत नीतियों की आलोचना कर समाज का हित करना है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को विचारधारा से ऊपर उठकर कार्य करना चाहिए।

गोष्ठी की अध्यक्षता अनिल शर्मा एडवोकेट ने की तथा संचालन शाकिर अंसारी और मनोज कात्यायन ने किया। कार्यक्रम में सरदार सतवंत सिंह सलूजा, एस.पी. सलूजा, डॉ. एस.के. राजपूत, डॉ. शंकरलाल शर्मा, डॉ. दीप सौरभ सिंह पार्थ, राकेश चमोली, डॉ. कमाल अहमद, राघव शरण गोयल, अनिल के. गोयल आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम की सफलता में राहुल श्याम, इंतखाबुर रहमान, सुशील रश्तौगी, राकेश कुमार, चमन भारद्वाज, यतेंद्र शर्मा एडवोकेट, सुरेंद्र कुमार, विपिन कुमार, राजीव कुमार, दिग्विजय सिंह, लोकेश शर्मा, हेमंत कुमार, इमरान खान, रोमियो मयूर, इश्तियाक अली व अमित शर्मा का योगदान रहा।

बीमारी के चलते वसीम अहमद का इंतकाल, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷

नगर के मोहल्ला हयात नगर निवासी वसीम अहमद का बीमारी के चलते

निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, वसीम अहमद पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे, जिनका इलाज चल रहा था, लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

करीब डेढ़ साल पहले ही वसीम अहमद का निकाह हुआ था। उनके इंतकाल की खबर से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी, नन्ही बच्ची 5 या 6 महीने की है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वसीम अहमद को सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे सिवहारा कब्रिस्तान में नम आंखों से सुपुर्द-ए-ख़ाक कर दिया गया। जनाजे में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर उन्हें अंतिम विदाई दी और परिवार को ढांढस बंधाया। वसीम अहमद के जनाजे में हजारों लोगों की तादाद में भीड़ रही।

धामपुर में तूफान का कहर : सैकड़ों साल पुराने पेड़ गिरे

रोडवेज बस पर पेड़ गिरने से मचा हड़कंप, बाल-बाल बचे यात्री

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷

सोमवार की देर शाम आई आंधी और बारिश ने क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी। तेज रफ्तार हवाओं के झोंकों से सैकड़ों साल पुराने पेड़ धराशायी हो गए, जिससे कई मार्गों पर जाम लग गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नहटौर-बिजनौर मार्ग पर आधा दर्जन से अधिक पेड़ गिर गए। सड़क पर एक के बाद एक पेड़ गिरने से मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इस बीच धामपुर से बिजनौर जा रही एक रोडवेज बस के ऊपर अचानक एक विशाल पेड़ गिर पड़ा। बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन चालक की सूझबूझ और तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी राजेश चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, वन विभाग की टीम ने भी राहत कार्य में सहयोग किया।

जेसीबी मशीन की मदद से सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाने का कार्य किया गया। भारी संख्या में पेड़ गिरने के कारण जाम को खोलने में पुलिस और प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उधर स्योहारा मार्ग पर भी कई पेड़ों के गिर जाने से यातायात प्रभावित रहा। कोतवाल राजेश चौहान ने बताया कि मार्गों से पेड़ों को हटवा दिया गया है और अब यातायात पूरी तरह सुचारू कर दिया गया है।

तूफान ने मचाई तबाही, लोगों में दहशत, प्रशासन रहा सतर्क

धामपुर समेत आसपास के क्षेत्रों में आंधी-बारिश से लोग कुछ देर के लिए सहम गए। तेज हवाओं ने कई घरों की छतों और बिजली के तारों को भी नुकसान पहुंचाया। फिलहाल राहत कार्य जारी है।

प्रगति किट्टी क्लब में मीनू गोयल बनी करवा चौथ क्वीन

एनसीआर टुडे. नगीना। प्रगति किट्टी क्लब ने बहुत ही हर्षोल्लास साथ मीनाक्षी मलिक के निवास स्थान कृषि अनुसंधान केंद्र पर करवाचौथ का कार्यक्रम आयोजित क्रिया। जिसमे मीनाक्षी मलिक ने तरह-तरह के मनोरंजन गेम एवं तम्बेला खिलाकर सभी को पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया। एक गेम के माध्यम से मीनू गोयल करवा चौथ क्वीन चुनी गयी।

उन्हें क्राउन एवं पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया। सभी सदस्यों आशा महेश्वरी , मीनू गोयल, रितु गर्ग, रितु गुप्ता, विनीता गुप्ता, नीरु बत्रा, प्रीति बंसल, सरिता, स्वाति, अनीता, कंचन , सुमन, नीलम साहू ,उपस्थिति रही। वंदना त्यागी, आदित्य शुभांगी एवं इस समृद्धि एवं कल्पना ने गेस्ट के रूप में आमंत्रित होकर भरपूर मनोरंजन का लुत्फ़ उठाया। एवं मीनाक्षी का बहुत धन्यवाद किया।

हीरो की तरह बदमाश ने पुलिस को दस-बारह फीट की गली, रास्तो को लगाई छलाग

फिल्मी स्टाइल वाले जानलेवा हमलावर को पुलिस को किया गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

जानलेवा हमले के आरोपी को पकडने गई टीम को आरोपी ने फिल्मी स्टाइल में छतों पर दौडाया। कडी मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया ओर चालान कर दिया।

मालूम हो कि बीती शाम पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली गांव बैरमनगर निवासी फैसल पर जानलेवा करने वाला आरोपी मोहल्ला गुली तालाब निवासी अली खान अपने घर पर है। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बताया जाता है कि पुलिस को देख आरोपी अपने मकान की छत पर चढ गया। जब पुलिस छत पर पहुंची तो वह एक छत से दूसरी छत पर भागने लगा। पुलिस भी उसका पीछा करती रही। बताया जाता है इस दौरान आरोपी व पुलिस टीम ने बीच में पडने वाले दस से बारह फीट तक के राश्तों को भी जंप करके पार किया। जिससे पूरा नजारा फिल्मी हो गया। पुलिस टीम ने मोहल्ला अफगानान में पहुंचने पर उसे दबोच लिया।

बता दें कि बैरमनगर निवासी मौ.फैसल पुत्र अबरार अहमद ने आरोपी अलीखान व तीन अन्य पर 5 मई को लाठी, डंडों व लोहे की रॉड से हमलाकर घायल कर देने का आरोप लगाया था। पुलिस ने मुकदमा दर्जकर लिया था। तभी से आरोपी फरार था। सोमवार को पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया।

महिला सशक्तिकरण के प्रतीक बने नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी

वाल्मीकि जयंती पर महिला सफाई कर्मियों का किया सम्मान

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

नगर पंचायत अध्यक्ष श्री लोकेंद्र चौधरी ने भगवान वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

चेयरमैन ने बाल्मीकि बश्ती स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर पर पहुँचकर पांच महिला सफाई कर्मचारियों को ड्रेस, प्रशश्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "महिलाएँ समाज की रीढ़ हैं, उनके बिना स्वच्छता और विकास की कल्पना अधूरी है। नगर पंचायत उनके योगदान को सदैव सम्मान देती रहेगी।"

कार्यक्रम के उपरांत अध्यक्ष ने सभी को भगवान वाल्मीकि जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और समाज में एकता, समरसता और सेवा भाव का संदेश दिया।

कार्यक्रम में वाल्मीकि समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष को अपने बीच देखकर सफाई कर्मचारी अत्यंत प्रसन्न हुए और पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

ज्वेलरी शोरूम में आग लगाने की दी धमकी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

टीला मोड़ थानाक्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी शोरूम में आग लगाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। 26 सितंबर की घटना में पुलिस ने सोमवार को रिपोर्ट दर्ज की है। कृष्णा विहार कुटी में रहने वाले प्रमोद कुमार का घर के पास ही ज्वेलरी शोरूम है। उनकी दुकान पर कार्यरत अभी वर्मा की 26 सितंबर को राश्ते में गगन विहार निवासी मनीष से कहासुनी हो गई थी।

आरोप है कि मनीष अभी से मारपीट करते हुए शोरूम पर आया। उन्होंने मारपीट का कारण पूछा तो उनसे गाली-गलौज की। विरोध करते हुए उन्होंने पुलिस को शिकायत करने की बात कही तो मनीष ने धमकी दी कि तुम्हारे शोरूम में आग लगा दूंगा। इसके बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उत्तर रेलवे

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	सीनियर डीईएन–III/डीएलआई के अधीन एडीईएन/एनडीएलएस और एडीईएन/डीएलआई अनुभाग में दो वर्षों के लिए ट्रैक रखरखाव के विविध कार्य के लिए पी–वे सामग्री का नेतृत्व और अन्य संबद्ध कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	Rs. 2,49,90,512.83 (रुपये दो करोड़ उनंचास लाख नब्बे हज़ार पांच सौ बारह और तिरासी पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	Rs. 2,75,000/- (रुपये दो लाख पचहत्तर हजार मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	Rs. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	29.10.2025 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन	04–210–32

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। **सं.: 128–W/280/इ–निविदा सूचना/36/2025–26/W-3 दिनांक : 07.10.2025** **3095/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

शांतिप्रिय मध्य प्रदेश में बढ़ता अपराध: एक चिंताजनक स्थिति

मध्यप्रदेश को कौशल प्रदेश, शांतिप्रिय प्रदेश कहा जाता है। एमपी के जबलपुर हाईकोर्ट के बाहर एक बड़ा बोर्ड लगा हुआ है जहां लिखा है कौशल प्रदेश, कुशल प्रदेश, शांत प्रदेश। ये थीम एमपी के कानून व्यवस्था की कहानी कहती है, मध्यप्रदेश के प्रमुख महानगरों इंदौर जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, खजुराहो आदि में देश - दुनिया के पर्यटकों का जमावड़ा रहता है, वहीँ एमपी के लोगों को भी शांत प्रवृत्ति का माना जाता है। आज भी हमारे जैसे लोगों का अनुभव कहता है कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में एमपी अधिक शांति प्रिय लोगों का प्रदेश है। इंदौर, जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर जैसे महानगरों में लोग दिन - रात स्वछंदता से घूम सकते हैं।

एमपी में अपराधीकरण, माफियागिरी नहीं है, परंतु कुछ सालो से एमपी में ब्यूरोक्रेसी की बढ़ती तानाशाही, प्रशासन की गैर जिम्मेदारी आम लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। एमपी में बढ़ता भ्रष्टाचार भी लोगों को डरा रहा है, जब ब्यूरोक्रेट करप्ट हो जाते हैं तो अपराध भी धीरे-धीरे अपने पैर पसार लेता है, जो किसी भी मध्यप्रदेश के निवासी के लिए चिंता का विषय है। जब अपराधीकरण बढ़ने लगता है तो, विकास के राश्ते में अवरोध उत्पन्न होने लगते हैं, ब्यूरोक्रेसी मदमश्त हो जाती है तो आम जनता भ्रस्टाचार, एवं बढ़ते अपराधीकरण के कारण सहम जाती है।

बीते कुछ महीनों से एमपी में मर्डर, जैसे केस बढ़ते जा रहे हैं, पन्ना जिले के अजयगढ़ में एक युवती के घर में घुसकर कुछ लोगों ने दुष्कर्म किया और उसके छोटे से बच्चे सहित उसकी हत्या कर दी। इस दुष्कर्म एवं हत्या ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी कि एमपी में अपराधियों का बोलबाला हो गया है, अन्यथा अजयगढ़ जैसे शांति प्रिय जगहो पर कभी मर्डर, रेप जैसी घटनाएं सुनने को नहीं मिलती, परंतु अब लोगों में एक खौफ बढ़ रहा है, अहिश्ता, अहिश्ता। अजयगढ़ पन्ना जैसे इलाकों में लोगों के अंदर एक खौफ़ है।

ऐसे ही एक घटना रोंगटे खड़े कर देने वाली है। बीते एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में 11 बच्चों की मौत के बाद राज्य में बाल स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठ रहे है। इन बच्चों के परिवार का कहना है कि कफ़ सिरप पीने के बाद बच्चों का स्वास्थ्य तेज़ी से बिगड़ा और उन्हें बचाया नहीं जा सका। मध्य प्रदेश ड्रग कंट्रोल विभाग ने शनिवार सुबह तमिलनाडु में बनने वाली कोलड्रिफ़ कफ़ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वहीं शनिवार रात पुलिस ने सरकारी डॉक्टर प्रवीण सोनी, कफ़ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फ़ार्मास्युटिकल्स के संचालकों और अन्य ज़िम्मेदारों के ख़िलाफ़ एफ़आईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई 5 अक्तूबर को परासिया ब्लॉक के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अंकित सहलाम की शिकायत पर हुई। रिपोर्ट के मुताबिक़, सिरप में 48.6 प्रतिशत डायथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया, जो ज़हरीला रसायन है और सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है. यह कफ़ सिरप तमिलनाडु स्थित श्रीसन फ़ार्मास्युटिकल कंपनी बनाती है। अब सवाल उठते हैं कि ये सब एमपी में बढ़ क्यों रहा है? क्या प्रशासन को इस बढ़ते अपराध की जानकारी नहीं मिलती।

अभी पिछले दिनों रिपोर्ट जारी हुई है कि बच्चों के लिहाज से एमपी में अपराध बढ़ते जा रहे हैं, जो लोगों में बढ़ते खौफ की कहानी कहते हैं। यहां क्राइम रेट 77.9 फीसदी है। अपराध की ये संख्या साल 2022 में 20415 और साल 2021 में 19173 थी। इस तरह बच्चों की सुरक्षा के नजरिए से मध्य प्रदेश की हालत साल दर साल बदतर होती जा रही है। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में मध्य प्रदेश देश में सबसे ऊपर है। NCRB के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2023 में मध्य प्रदेश के अंदर बच्चों से जुड़े अपराध में 22393 मामले दर्ज किए गए।

यहां क्राइम रेट 77.9 फीसदी है। अपराध की ये संख्या साल 2022 में 20415 और साल 2021 में 19173 थी। इस तरह बच्चों की सुरक्षा के नजरिए से मध्य प्रदेश की हालत साल दर साल बदतर होती जा रही है। हत्या, रेप के बाद हत्या, शिशु और भ्रूण हत्या के मामले में मध्य प्रदेश की कहानी बदत्तर होती जा रही है।

मध्य प्रदेश में मां के गर्भ से बच्चे के जन्म तक, रेप के बाद मर्डर से लेकर अन्य मामलों में हत्या के मामले भरे पड़े हैं। राज्य में आज भी मां के गर्भ में बच्चे को खत्म कर दिया जाता है। साल 2023 में भ्रूण हत्या के कुल 87 मामलों में 20 एमपी में दर्ज किए गए। जैसे-तैसे अगर बच्चा जन्म ले लेता है, तो उसकी भी हत्या कर दी जाती है। साल 2023 में शिशु हत्या के कुल 63 मामलों में 12 एमपी में दर्ज किए गए थे।

माँ के गर्भ से सुरक्षित बच निकलने के बाद बच्चा जैसे-तैसे अपना जीवन शुरू करता है। मगर कुछ दरिंदे बच्चों के साथ रेप के बाद हत्या और अन्य तरह से हत्या की घटनाओं को अंजाम देकर देश के भविष्य को नष्ट कर देते हैं। साल 2023 में बच्चों की हत्या से जुड़े 1177 मामले सामने आए थे। इनमें से 100 एमपी में दर्ज हुए।

रेप के बाद मर्डर के 86 मामलों में 11 एमपी में दर्ज हुए। बच्चों को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले 368 मामले में 104 मामले एमपी में दर्ज हुए हैं। अन्य राज्यों से तुलना करें तो दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र और तीसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश का स्थान आता है। एमपी शांति प्रिय लोगों का प्रदेश है, बढ़ते अपराध पर कानून व्यवस्था को लेकर जो प्रश्न उठ रहे हैं, उसको दुरुश्त किए जाने की दरकार है। एमपी सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि प्रदेश के लोगों में खौफ स्थापित न हो जाए। प्रदेश में कानून का राज होना चाहिए जिससे शांति भंग न हो।

महर्षि वाल्मीकि: शिक्षा, साधना और समाज का सच

डॉ. प्रियंका सौरभ

कहते हैं, शिक्षा केवल अक्षर ज्ञान नहीं देती, बल्कि वह जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। किंतु उस शिक्षा का प्रयोग कौन-से दिशा में होगा-यह निर्णय हर व्यक्ति को स्वयं करना पड़ता है। यह विचार महर्षि वाल्मीकि के जीवन से बढ़कर और किसकी गाथा कह सकती है? डाकू रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि तक की उनकी यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यदि मनुष्य सच्चे ज्ञान से परिचित हो जाए, तो उसका हृदय परिवर्तित हो सकता है, चाहे वह कितना भी अंधकारमय क्यों न हो। महर्षि वाल्मीकि की जयंती केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं है, बल्कि यह उस मानवीय संभावना का उत्सव है, जो हमें पशुता से मानवता की ओर ले जाती है। यह जयंती हमें याद दिलाती है कि गुरु के दिए ज्ञान की शक्ति तभी सार्थक होती है, जब शिष्य स्वयं उसे सही दिशा में प्रयोग करे।

वाल्मीकि जी का जीवन अत्यंत प्रेरणादायक है। वह आरंभ में एक लुटेरा था-रत्नाकर नाम का। अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए वह राहगीरों को लूटता था। किंतु जब एक दिन उसने नारद मुनि को लूटने का प्रयास किया, तो उसके जीवन की दिशा बदल गई। नारद मुनि ने उससे पूछा, "रत्नाकर, क्या तुम्हारा परिवार तुम्हारे पापों में भागीदार होगा?" यह सरल-सा प्रश्न उसके अंतर्मन में तूफान ले आया। जब उसे ज्ञात हुआ कि उसके कर्मों का बोझ कोई साझा नहीं करेगा, तब उसने शस्त्र त्याग दिया और नारद मुनि से ज्ञान प्राप्त किया।

नारद ने उसे "राम-राम" का नाम जपने को कहा। किंतु वह 'राम' शब्द उच्चारित नहीं कर सका और "मरा-मरा" कहने लगा। यही "मरा-मरा" जप करते-करते उसका जीवन तपस्या में परिवर्तित हो गया, और वह डाकू से महर्षि बन गया। यही वह क्षण था जब शिक्षा और आत्मबोध का संगम हुआ। यही परिवर्तन आज के समाज को भी सिखाता है कि कोई भी व्यक्ति जन्म से महान नहीं होता, बल्कि कर्म और ज्ञान से महान बनता है। महर्षि वाल्मीकि को आदिकवि कहा जाता है-यानी कवियों में प्रथम। उन्होंने रामायण जैसी अमर कृति की रचना की, जो न केवल धार्मिक ग्रंथ है बल्कि भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन भी। उन्होंने साहित्य को धर्म, नीति, प्रेम और करुणा के साथ जोड़ा। उन्होंने मानवता के उस आदर्श को शब्द दिए, जहाँ धर्म केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि न्याय, सहानुभूति और कर्तव्य की भावना है।

उनकी रचना का सबसे बड़ा योगदान यह है कि उन्होंने एक ऐसा राम प्रस्तुत किया जो केवल राजा नहीं, बल्कि आदर्श मानव हैं। उन्होंने एक ऐसी सीता को चित्रित किया जो नारी की अस्मिता और धैर्य की प्रतीक है। वाल्मीकि जी ने यह भी बताया कि हर व्यक्ति के भीतर एक 'राम' और एक 'रावण' बसता है, और निर्णय हमारे हाथ में है कि हम किसे पोषित करते हैं।

आज जब हम वाल्मीकि जयंती मनाते हैं, तो यह केवल श्रद्धा नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर भी है। समाज में आज भी जाति, भेदभाव और अज्ञान का अंधकार व्याप्त है। वाल्मीकि जी का जीवन इस बात का जीवंत

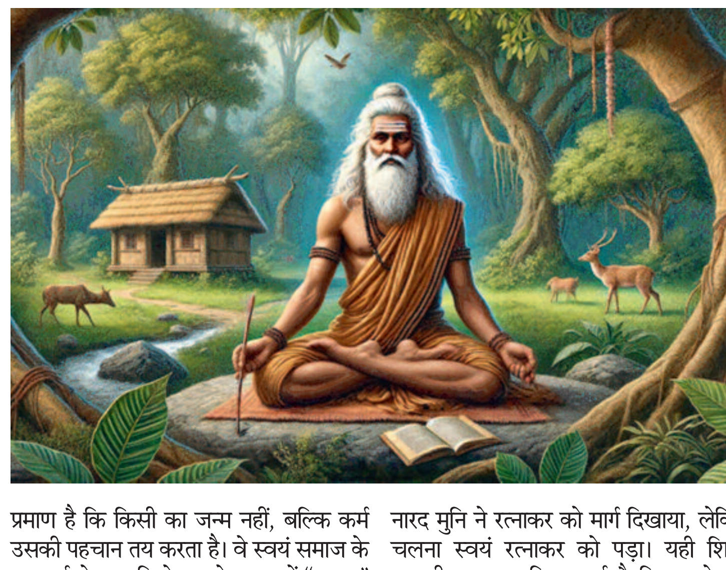

प्रमाण है कि किसी का जन्म नहीं, बल्कि कर्म उसकी पहचान तय करता है। वे स्वयं समाज के उस वर्ग से आए जिसे बाद के समय में "अछूत" कह दिया गया, लेकिन उन्होंने ऐसी रचना की जिसने पूरे आर्यावर्त के नैतिक और सांस्कृतिक जीवन को दिशा दी। यदि उस युग में भी एक लुटेरा ज्ञान से महर्षि बन सकता है, तो आज हम क्यों नहीं बदल सकते? क्यों आज भी हम जाति के नाम पर लोगों को नीचा दिखाते हैं? क्यों आज भी शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी रह गया है, न कि मानवता की सेवा?

महर्षि वाल्मीकि का संदेश स्पष्ट है-गुरु केवल ज्ञान का दीपक जलाता है, परंतु उस दीपक से प्रकाश फैलाना शिष्य की जिम्मेदारी है। नारद मुनि ने रत्नाकर को मार्ग दिखाया, लेकिन चलना स्वयं रत्नाकर को पड़ा। यही शिक्षा प्रणाली का वास्तविक अर्थ है-शिक्षक केवल दिशा देता है, गंतव्य तय करना शिष्य का काम होता है। आज के युग में जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और अंक-तालिकाओं तक सीमित रह गई है, तब वाल्मीकि की शिक्षा की परिभाषा हमें झकझोरती है। वे कहते हैं कि शिक्षा का उद्देश्य 'मनुष्य बनना' है, न कि केवल 'विद्वान बनना'। उन्होंने अपने जीवन से साबित किया कि सबसे बड़ा ज्ञान वही है जो मनुष्य को संवेदनशील बनाए, उसे अहंकार से मुक्त करे, और दूसरों के प्रति करुणा सिखाए।

रामायण के माध्यम से वाल्मीकि जी ने समाज को यह भी बताया कि हर व्यक्ति में सुधार की संभावना है। यही कारण है कि उन्होंने लव-कुश जैसे बच्चों को संस्कार, नीति और धर्म का ज्ञान दिया। उन्होंने सीता की पीड़ा को भी शब्दों में अमर किया, जो नारी की गरिमा की सबसे सशक्त व्याख्या है। वाल्मीकि का आश्रम केवल साधना का स्थल नहीं था, बल्कि शिक्षा का एक आदर्श विश्वविद्यालय था-जहाँ विद्या का अर्थ था आत्म-सुधार और समाज-सुधार। आज जब हम सोशल मीडिया के युग में ज्ञान को 'सूचना' समझने लगे हैं, तब वाल्मीकि की स्मृति हमें बताती है कि ज्ञान का अर्थ केवल जानना नहीं, बल्कि उसे जीना है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर यदि हम अपने भीतर का अंधकार मिटा सकें, तो वही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

महर्षि वाल्मीकि ने हमें सिखाया कि किसी भी समाज की शक्ति उसकी विचारधारा में होती है, न कि उसके बाहरी आडंबर में। उन्होंने साबित किया कि एक डाकू भी कवि बन सकता है, यदि उसके भीतर परिवर्तन की ज्योति जल उठे। यही कारण है कि उनका जीवन आज भी हर पीढ़ी को प्रेरित करता है-कि शिक्षा केवल गुरु की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि शिष्य का संकल्प भी है। आज जब हम "महर्षि वाल्मीकि जयंती" मनाते हैं, तो हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम शिक्षा को केवल परीक्षा का माध्यम न बनाएं, बल्कि उसे जीवन सुधार का साधन बनाएं। हर शिक्षक में नारद मुनि की झलक है और हर विद्यार्थी में रत्नाकर का बीज। जरूरत है तो बस जागरण की-और यही वाल्मीकि जी की शिक्षा का सार है।

वन्य प्राणी सप्ताह पर विशेष: वन्य जीवन और मानव जीवन एक दूसरे के परंम पर्याय

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

आज पृथ्वी पर मनुष्य नामक जीव ने अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया है। इसीलिये अब मनुष्य यह भूल बैठा है, कि पृथ्वी में अन्य जीव जंतुओं को भी रहने का उतना ही अधिकार है जितना मनुष्य को। मनुष्य और वन्यप्राणी एक सिक्के के दो पहलू हैं। सृष्टि के प्रारंभ से वे एक दूसरे के पूरक रहे हैं। हमारे पौराणिक ऐतिहासिक ग्रंथो में यदाकदा मानव और वन्य प्राणियों के प्रगाढ़ संबंधों के प्रमाण मिल जाते हैं। वस्तुतः मनुष्य जीवजगत और वनस्पति एक दूसरे के पूरक भी हैं। इनके हितों में कोई टकराव नहीं है।

किन्तु मानव जैसे-जैसे सभ्य होता गया, वह सह-विकास, सहसृजनात्मकता और सहयोग की भावनाओं को नज़र अंदाज कर उनकी जान का दुश्मन बन गया, वह उन्हें मनोरंजन, शानो-शौकत और धन जोड़ने का साधन समझने लगा! परिणामस्वरुप वन्यप्राणियों की खालें और उनसे बनने वाली अन्य वश्तुयें सजावट के काम आने लगीं। वन्यजीव विनाश का बाजार गर्म हो गया! वन्य प्राणियों की संख्या न्यून होते लगी और उनका जीवन ही नहीं अब तो उनका अशितत्व ही खतरे में पड़ गया है!

हमारे देश में जीवन संरक्षण की परंपरा बहुत पुराना है, धर्म कला आदि सभी में जीवनधारियों. का समान महत्व दिया गया है। भारतीय संस्कृति तथा दर्शन में तो मानव सहित अन्य जीवधारियों को प्रकृति की सृजन योजना का अभिन्न अंग माना गया है! आदिकाल में शिकार जोखिम और बहादुरी का प्रतीक था, तो मध्यकाल में यह शान-शौकत का काम समझा जाने लगा तथा आजकल तो यह व्यवसाय में बदल गया है। यह एक सुखद अनुभव है कि अब पूरी दुनिया के अधिकांश लोग वन्यप्राणी संरक्षण की जरूरत महसूस करने लगे हैं। यह एक शुभ लक्षण है। प्रदेश में वन्व प्राणियों के संरक्षण की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गये हैं। प्रदेश में शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध है। प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान तथा अभ्यारणों में प्राकृतिक रहवास, संरक्षण तथा विकास के साथ-साथ वैज्ञानिक रुप से सफलतापूर्वक वन्यप्राणियों का प्रबंध किया जा रहा है। इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान केन्द्रीय सहायता प्राप्त प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत प्रबंधित है। अभ्यारणों में बसे ग्रामीणों के समग्र विकास के लिए भी विकास योजनाएं चलाई जा रही हैं।

वन्यप्राणी संरक्षण की समूची योजना को जनता से जोड़ने, पारस्परिक समझ और सहयोग के मुद्दे को व्यवहारिक ढंग से जनता तक प्रचारित किया जा रहा है। प्रदेश में वन्य प्राणियों के संरक्षण एवं विकास के फलस्वरुप इनकी संख्या में वृद्धि हुई है। इन वनों में विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत वन्य प्राणियों के लिये समुचित पानी, चराई, नियंत्रण एवं सहान गश्त के माध्यम से वन्य प्राणियों के. रिहायशी स्थानों को सुरक्षित रखकर बन अपराधों पर नियंत्रण रखा जा रहा है! अभ्यारणों एवं राष्ट्रीय उद्यानों में स्थित अथवा उनके सीमावर्ती ग्रामों का पर्यावरणीय विकास भी किया जा रहा है! वन्य प्राणियों से जो जनहानि अथवा पशुहानि होती है, उसकी क्षतिपूर्ति शासन द्वारा की जाती है!

हिंसक वन्य प्राणियों के द्वारा व्यक्ति के घायल होने की स्थिति में क्षतिपूर्ति की राशि अधिकतम पांच हजार प्रतिव्यक्ति देने का प्रावधान है। इसी प्रकार हिंसक वन्य प्राणियों द्वारा मारे गये व्यक्तियों के परिवार को क्षतिपूर्ति की राशि दस हजार रुपये प्रति व्यक्ति देने का प्रावधान है। प्रदेश में अवैध शिकार के प्रकरणों पर कड़ाई से नियंत्रण रखा जा रहा है। बीते वर्ष में 228 अवैध शिकार के प्रकरण दर्ज किये गये थे।

भारत सरकार ने वन्य प्राणियों के अशितत्व की अनिवार्यता को महसूस कर उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वर्ष 1971 में पूरे राष्ट्र में शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर प्रभावी कदम उठाया। राज्य सरकारों ने वर्ष 1974 में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम बनाकर उन्हें प्राकृतिक वातावरण में स्वच्छंद रहने के लिये उनकी संख्या में वृद्धि करने के लिये राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारणों की स्थापना की! इस दिशा में निरंतर प्रयासों के परिणाम स्वरुप अब राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभयारण्यों की संख्या पर्याप्त बढ़ चुकी है। प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण स्थापित करने के लिये उन क्षेत्रों का चयन किया गया है, जो वन्य प्राणियों के लिये उपयुक्त है अथवा जहां लुप्त हो रही वन्य प्रजातियां थी!

वन्य प्राणियों के संरक्षण का एकमात्र तरीका संबंधित वन क्षेत्र को राष्ट्रीय उद्यान अथवा अभ्यारण के अंतर्गत लाकर वहां उन्हें पूरी सुरक्षा प्रदान करता है। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारणों की स्थापना की गई है। प्रदेश का इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान, बारह सिंघा की दक्षिणी नस्ल का आखिरी आश्रयस्थल है! 'वह दिन प्रदेश के लिये अत्यंत अशुभ दिन होगा जब वहां के सुंदर सघन साल वनों में हरिण परिवार के शानदार सदस्य बारह सिंघे की आवाज गूंजना बंद हो जायेगी।' इस सदी के प्रारंभ में जब प्रसिद्ध प्रकृतिविद् मिस्टर ब्रांडर ने यह आशंका व्यक्त की थी तब उन्हें क्या मालूम था कि वे भविष्यवाणी करने जा रहे हैं। बश्तर में कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान है। मध्यप्रदेश में बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1982 से बाघ तथा श्रंगधारी वन्य प्राणियों की बढ़ती आबादी को आवास स्थल का रूप देने के लिये चार गुना क्षेत्र में बढ़ा दिया गया है।

सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान पचमढ़ी की वादियों में स्थित है उसमें सांभर, तेंदुआ, और आदि वन्य प्राणी है। यह स्थल वन्य प्राणियों के लिये श्रेष्ठतम स्थानों में से एक हैं। कृष्ण मृगों की संख्या में वृद्धि करने के लिये बगदरा अभ्यारण स्थापित किया गया। राष्ट्रीय चंबल केन, सोन, अभ्यारण और इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान में घड़ियाल पाले जा रहे हैं। भोपाल में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना की गई हमारे सरगुजा संभाग के अंतर्गत एक राष्ट्रीय उद्यान स्थित है जो सरगुजा जिले में स्थित है। ये उद्यान संजय उद्यान के नाम से प्रसिद्ध है। वहां बाघ, तेन्दुआ, चीतल आदि वन्यजीव बहुतायत से पाये जाते हैं! यह 1938 वर्ग किलोमिटर क्षेत्रफल में स्थित है।

यहां नवम्बर से जून के मध्य भ्रमण करने के लिये अच्छा समय माना जाता है। इसी प्रकार इस क्षेत्र में बादलखोल अभ्यारण जो जशपुर जिले में स्थित है। यह 104.35 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, गौर आदि वन्य जीव मुख्य रुप से पाये जाते हैं! रायगढ़ जिले में गोमरडा अभ्यारण स्थित है। जो 277.82 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में व्यवस्थित है, यहां तेंदुआ, गौर, सांभर बहुतायत से पाये जाते हैं। सरगुजा जिले में समरसोत अभ्यारण स्थित है, यह 430.36 वर्ष किलोमीटर क्षेत्र में फैला है।

यहां बाघ, तेंदुआ, सांभर और घीतल वन्यजीव मिलते हैं। सरगुजा में ही तमोर पिंगला अभ्यारण है जो 608.52 वर्ग - किलोमिटर क्षेत्र में फैला है जहां बाघ तेंदुआ, सांभर, चीतल आदि वन्यप्राणी मिलते हैं।

बिलासपुर जिले में एकमात्र अचानकमार अभ्यारण स्थित है यह टाइगर रिजर्व के रूप में भी विख्यात है। जो 551.55 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में व्यवस्थित है। यहां बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, गौर, आदि वन्य जीव पाये जाते हैं! अचानकमार अभ्यारण में वर्तमान में 46 बाघ, (टीपः-2022-23 की बाघों की जनगणना में आश्चर्यजनक रूप से बाघों की संख्या बढ़ोतरी के बजाय घट गई है) 216 तेन्दुआ, 2006 चीतल, 418 सांभर, 44 चौसिंघा, 344 वर्किंग डियर, 438 गौर-बाइसन, 1506 जंगली सुअर, 656 भालू, 286 सोनकुत्ता, 6 अजगर विचरण कर रहे हैं!

वन्य प्राणियों की लुप्त हो रही प्रजातियों को सरंक्षण देने के लिये निम्न कदम उठाये जा रहे हैं! पहाड़ी मैना (राज्य पक्षी) की लुप्त प्रजाति को बचाने के लिये बश्तर क्षेत्र में अभ्यारण बनाये गये हैं! तो मध्यप्रदेश में खरमोर पक्षी को पूर्ण संरक्षण प्रदान करने के लिये धार एवं झाबुआ जिलों में दो अभ्यारण सरदारपुर एवं सैलाना में स्थापित किये गये हैं। घडियालों की संख्या में वृद्धि करने के लिये चंबल राष्ट्रीय वन और सोन अभ्यारणों की स्थापना की गई है। वर्ष 1986 में इनकी कुल संख्या 1300 हो गई थी!

बाघों के संरक्षण के लिये केन्द्र सरकार की सहायता के दो टायगर प्रोजक्ट कान्हा एवं इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान में चल रहे हैं! वर्ष 1974 में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में बाघ परियोजना कियान्वित की गई! परियोजना के अंतर्गत कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में बंजर तथा हलो घाटी का क्षेत्र अभ्यारण में जोड़कर 935 वर्ग किलोमिटर क्षेत्र का कान्हा टाइगर रिजर्व निर्मित किया गया जिसे बाघ परियोजना का केन्द्र स्थल कहा गया! दो वर्ष पश्चात बंजर तथा पहलों घाटी के अभ्यारण क्षेत्र को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा देकर और सीमावर्ती क्षेत्र मिलाकर कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में शामिल कर दिया गया, जिससे कान्हा राष्ट्रीय उद्यान का पूरा इलाका राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आ गया।

इसी प्रकार बश्तर जिले के इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान जिसका वनक्षेत्र 1258 वर्ग किलोमीटर है। इसे वर्ष 1982 में बाघ परियोजना के अंतर्गत लाया गया। इस परियोजना के लागू होते ही बाघों की संख्या में संरक्षण मिलने के कारण अपेक्षित वृद्धि हो रही है। यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि हमारे यहां अभी भी वन्यप्राणियों की अधिकता है। प्रदेश में वन्यप्राणियों के प्रबंधन की दृष्टि से प्रदेश में अधिकतम वनक्षेत्र को घेरा गया है। हमारे राष्ट्रीय उद्यान देश भर में प्रसिद्ध हैं।

प्रदेश में वन्यप्राणी संरक्षण की ओर गत वर्षों में राज्य एवं केन्द्र शासन ने विशेष ध्यान दिया है। वन्यप्राणी संरक्षण में एकरुपता लाने के लिये वर्ष 1972 में वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम लागू किया गया ! संरक्षण के लिये सघन एवं सफल प्रयास के लिए वन्य प्राणी शाखा की स्थापना की गई। भारत में इस शताब्दी के प्रारंभ में बाघों की संख्या लगभग चालीस हजार थी, परंतु यह संख्या वर्ष 1972 में घटकर मात्र 1700 गई। केंद्र सरकार का ध्यान इस तेजी से घटते हुये बाघों का संख्या पर आकृष्ट हुआ।

प्रोजेक्ट टाइगर का मुख्य उद्देश्य सिर्फ बाघों की संख्या को बढ़ाना नहीं है। वरन् उसके रहने के लिये प्राकृतिक वातावरण का निर्माण तथा भोजन योग्य वन्य प्राणियों का भी संरक्षण करना है! मध्य प्रदेश में पेंच तथा बांधवगढ़ को भी टाइगर प्रोजेक्ट में रखा गया है। वहीं दूसरी और छत्तीसगढ़ प्रदेश में भी अचानकमार वन अभ्यारण सहित बश्तर में स्थित राष्ट्रीय उद्यान सहित सरगुजा राष्ट्रीय उद्यान को भी टाइगर रिजर्व के लिए स्थापित किया गया है। वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह मनाना दरअसल वन्य प्राणियों के संरक्षण की दिशा में जनता के मन में जागृति पैदा करने की दिशा में ही एक प्रयास है।

वन्य प्राणी सप्ताह में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज में सभी प्राणियों के संरक्षण के प्रति जागृति पैदा की जाती है। इस दौरान लोगों का ध्यान इस ओर भी आकृष्ट किया जाता है कि पर्यावरण और मानव जीवन के लिये वन्य प्राणियों का महत्व तथा आवश्यकता कितनी है। वन्यप्राणियों से हमें बहुत फायदे हैं। परंतु कभी-कभी विशेष प्रकरणों में ये मनुष्य के लिये हानिकारक भी होते हैं। वनसीमा के आसपास के क्षेत्रों में ग्रामीणों की फसलों का भी काफी नुकसान वन्य प्राणियों द्वारा पहुंचाया जाता है।

टिड्डी दल के द्वारा भी कभी-कभी फसलों का नुकसान हो जाता है विशेष परिस्थितियों में कुछ शेर एवं आदि वन्य जीव नरभक्षी हो जाते हैं एवं जनहानि भी करते हैं, यह सत्य है, परंतु उसके पीछे मनुष्य की गल्तियों की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

अतः यदि वन्य प्राणियों के रहने के स्थान अर्थात उनके प्राकृतिक वातावरण पर अतिक्रमण न किया जाय तो यह स्थिति सामने नहीं आयेगी। आज भी अवैध शिकार मनुष्य द्वारा किये जा रहे हैं, वही जानते हुए भी मनुष्य पर्यावरण का दुश्मन बन बैठा है। मनुष्य को अब यह अच्छी तरह से जान एवं समझ लेना होगा कि प्रकृति ने हमें वन्य जीव एवं वनस्पतियों को अपना बनाये रखने के लिये समानांतर भूमिका में दायित्व सौंप रखा है, अगर मनुष्य उसकी व्यवस्था में जरा भी बाधा डालता है तो वह स्वयं भी अपने अशितत्व के लिये खतरा बन जायेगा।

सुलगते लद्दाख के बीच सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का मुद्दा!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन अब हिंसक हो गया, इस आंदोलन में चार लोगों की जान चली गई। हालात पर काबू पाने के लिए कर्फ्यू तक लगाना पड़ा है। सरकार ने इस हिंसा के लिए लंबे समय से भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहाराया है। उन्हें गिरफ्तार करने के साथ ही उनके एनजीओ का एफसीआरए लाइसेंस रद कर दिया गया।

साधारण जीवनशैली आंदोलनकारी सोनम वांगचुक का जन्म 1 सितंबर, 1966 को लेह में हुआ था। उनके पिता का नाम सोनम वांग्याल और मां का नाम तेजरिंग वांगमो है। उनके पिता राज्य सरकार में मंत्री भी रहे। उनके जन्म के समय उनके गांव में कोई स्कूल नहीं था, ऐसे में 9 साल की उम्र तक सोनम की मां ने उन्हें लद्दाखी भाषा में पढ़ाया। बाद में उन्होंने श्रीनगर के एनआईटी से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की।

इंजीनियरिंग करने के दौरान ही वह बच्चों को पढ़ाने भी लगे तो उन्हें सरकारी शिक्षा की कमियों का पता चला। इसके बाद उन्होंने इसमें सुधार के लिए ऑपरेशन न्यू होप शुरू किया। उनके द्वारा सन 1988 में शैक्षिक सांस्कृतिक आंदोलन एसईसीएमओएल शुरू किया गया। साथ ही पहाड़ी इलाकों में पर्यावरण के अनुकूल घर डिजायन किए गए। सोनम वांगचुक ने गीतांजलि जे. आंगमो से शादी की है, जिन्हें प्यार से लोग गीतांजलि जेबी भी कहते हैं, जो शिक्षाविद हैं। सोनम और गीतांजलि ने मिलकर लद्दाख में हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स (एचआईएलएल) की स्थापना की। सोनम को प्रकृति और पर्यावरण से बेहद लगाव रहा। उन्होंने अपना घर बनाने के लिए स्थानीय मिट्टी, पत्थर और लकड़ी का इश्तेमाल किया। उन्होंने अपने घर में सोलर हीटिंग सिस्टम और इंसुलेटेड मिट्टी और पत्थर का इस तरह से इश्तेमाल किया है कि माइनस 30 डिग्री सेल्सियस में भी उनका घर गर्म बना रहता है। उन्होंने अपने घर बगीचे को छोटे वर्कशॉप, सौर ऊर्जा और वाटर मैनेजमेंट के प्रोजेक्ट को लाइव डेमो के रूप में दिखाने के तौर पर विकसित कर रखा है।

सोनम वांगचुक को कई भाषाएं सीखने की ललक लगी और उन्होंने 9 भाषाएं सीख लीं। इन सभी भाषाओं को वह अच्छी तरह से समझ और बोल सकते हैं। सोनम ने विज्ञान और गणित जैसे विषयों को भी लद्दाखी भाषा में पढ़ाने की मुहिम भी शुरू की।

लेह में हुई हिंसा के बाद प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सोनम वांगचुक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की गई है। विपक्षी दलों ने गिरफ्तारी का विरोध किया है। पुलिस वांगचुक के भाषणों की समीक्षा कर रही है, जिसमें युवाओं को उकसाने के आरोप लगे थे। गृह मंत्रालय के अनुसार वांगचुक के भाषणों ने भावनाओं को भड़काया। वांगचुक ने लेह में अपनी लंबी भूख हड़ताल के दौरान भड़काऊ भाषण में अरब स्प्रिंग और नेपाल में छात्र विरोध प्रदर्शनों का संदर्भ दिया था। गृह मंत्रालय के अनुसार, इन टिप्पणियों ने भावनाओं को भड़काया और 24 सितंबर को लेह में आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया। उसी दौरान भीड़ ने सरकारी कार्यालयों पर हमला किया, वाहनों को आग लगा दी और पुलिस के साथ झड़प की।

जवाबी कार्रवाई में, सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की, जिसमें चार नागरिकों की मौत हो गई। सरकार एनएसए तभी लगाती है जब उन्हें यह लगने लगता है कि अब यह व्यक्ति देश की सुरक्षा या फिर सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा बन रहा है। लेह में जिस समय हिंसा हुई उस समय चल रहे आंदोलन का नेतृत्व सोनम वांगचुक ही कर रहे थे। सरकार को लगता है कि उन्होंने जो भाषण दिए उससे ही युवा सड़कों पर आकर हिंसक हुए।

वांगचुक को उनके आवास से गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के लिए एक स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाया गया। हालांकि इस हिंसा के बाद सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी थी और हिंसा में किसी भी प्रकार से शामिल होने या किसी भी प्रकार आंदोलनकारियों को भड़काने से इनकार किया था। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर उन्हें हिरासत में लिया गया तो वह उनके लिए एक बड़ी चुनौती साबित होंगे। उनकी गिरफ्तारी उस समय हुई जब पुलिस ने धरपकड़ अभियान तेज कर दिया है जिसमें अब तक 50 से ज़्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें लद्दाख के बाहर के निवासी जैसे नेपाली नागरिक और डोडा ज़िले के लोग शामिल हैं।

जाँच अधिकारी इस अशांति में बाहरी लोगों की संभावित संलिप्तता की जांच कर रहे हैं। यह गिरफ्तारी वांगचुक के एनजीओ के खिलाफ कार्रवाई के बाद हुई है। गृह मंत्रालय ने स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम लाइसेंस रद्द कर दिया है। वांगचुक इस संगठन के सह-संस्थापक हैं और यह संगठन इस क्षेत्र में शैक्षिक और पर्यावरणीय पहलों का केंद्र रहा है। अधिकारियों ने इस कदम के पीछे कथित वित्तीय नियमों के उल्लंघन को आधार बताया है।

लद्दाख के लोगों को यह डर भी सताने लगा है कि यूटी बनने के बाद, बाहरी लोग उनकी जमीनें खरीद सकते हैं और उनके संसाधनों पर कब्ज़ा कर सकते हैं। ऐसे में छठी अनुसूची लागू होने से उन्हें अपनी भूमि और संसाधनों पर नियंत्रण और संरक्षण मिल जाएगा। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इस केंद्र शासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग पर हजारों युवाओं ने लेह की सड़कों पर हंगामा, आगजनी, हिंसा और उपद्रव किया।

कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ हिंसक झड़प हो गई, जिसमें अब तक चार लोगों की मौत की खबर है, जबकि इन झड़पों में 80 से ज्यादा लोग घायल हुए है। पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा कर्फ्यू का सख्ती से पालन कराए जाने के दौरान कम से कम 50 लोगों को हिरासत में लिया गया ह। प्रायः शांत रहने वाले लद्दाख़ के लोग अपनी चार सूत्रां मांगों को लेकर सड़कों पर उतर आए है। प्रदर्शनकारियों की जो चार मांगे हैं, उनमें लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने, लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल कराने, लद्दाख में लोकसभा सीटें बढ़ाकर दो करने और लद्दाख की जनजातियों को आदिवासी का दर्जा देना शामिल है।

क्या है छठी अनुसूची, जिसकी मांग को लेकर लद्दाख में मचा इतना बवाल; लागू हुआ तो क्या होंगे बदलाव? लद्दाख के लोगों को यह डर भी सताने लगा है कि युटी बनने के बाद, बाहरी लोग उनकी जमीनें खरीद सकते हैं और उनके संसाधनों पर कब्ज़ा कर सकते हैं। ऐसे में छठी अनुसूची लागू होने से उन्हें अपनी भूमि और संसाधनों पर नियंत्रण और संरक्षण मिल जाएगा। छठी अनुसूची भारतीय संविधान की एक अहम अनुसूची है, जो पूर्वोत्तर भारत के कुछ आदिवासी क्षेत्रों को स्वायत्तता प्रदान करती है, ताकि उनकी संस्कृति, जमीन और संसाधनों की रक्षा की जा सके। यह अनुसूची आदिवासी बहुल पहाड़ी चार राज्यों- असम, मेघालय, त्रिपुरा, और मिजोरम में लागू है। यह जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित है जो इन समुदायों को अपनी पहचान और परंपराओं को बनाए रखने में मदद करती है। इसके तहत स्वायत्त जिला परिषदों का गठन किया जाता है, जो स्थानीय श्तर पर भूमि, जंगल, शिक्षा और टैक्स जैसे मामलों पर कानून बना सकती हैं। छठी अनुसूची के प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244(2) और 275(1) के तहत दिए गए हैं। इस अनुसूची का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों की जनजातीय आबादी की संस्कृति, उनकी पहचान और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। यह इन क्षेत्रों को स्थानीय शासन और स्व-नियमन की अनुमति भी देता है।

प्रावधानों के मुताबिक, प्रत्येक स्वायत्त जिले में एक परिषद होता है, जिसमें अधिकतम 30 सदस्य होते हैं। इनमें से 4 राज्यपाल या उपराज्यपाल द्वारा मनोनीत होते हैं और 26 वोटिंग के जरिए चुने जाते हैं। इन परिषदों के पास कानून बनाने, भूमि, वन, नहर, जल, स्थानांतरण, ग्राम प्रशासन, विवाह और सामाजिक रीति-रिवाजों जैसे मामलों को कंट्रोल करने की शक्तियाँ होती हैं। वे भूमि राजस्व और कुछ अन्य टैक्स भी लगा सकते हैं। इसके अलावा इन परिषदों के पास कुछ न्यायिक शक्तियां भी होती हैं। छठी अनुसूची के प्रावधान इन स्वायत्त परिषदों को कुछ सिविल और आपराधिक मामलों की सुनवाई करने और उस पर फैसला सुनाने के भी शक्ति देता है। हालांकि, ये स्वायत्त परिषदें संबंधित राज्यों के अधिकार और कार्यक्षेत्र के दायरे से बाहर नहीं हैं। लद्दाख के लोग लंबे समय से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं।

यह मांग इस क्षेत्र के लोगों, खासकर जनजातीय समुदायों की पहचान, उनकी भूमि और संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ी है। दरअसल, लद्दाख एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जहाँ की 97 प्रतिशत से अधिक आबादी अनुसूचित जनजाति मानी जाती है। यहां मुख्यतः बौद्ध और मुस्लिम संस्कृति है, जिसे सहेजने की मांग होती रही है। अगर लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल किया जाता है तो इन समुदायों के पारंपरिक रीति-रिवाजों, सामाजिक प्रथाओं और सामाजिक चलन समेत उनकी ऐतिहासिक विरासत को संरक्षण मिल सकेगा। क्योंकि तब इस प्रदेश को छठी अनुसूची के मुताबिक संवैधानिक अधिकार और स्वायत्तता मिल जाएगी। जो लद्दाख के लोगो के जीवन को संरक्षित करने में एक बड़ा कदम होगा।

(लेखक राष्ट्रीय चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

फुफेरे भाई को तमंचे से गोली मारकर फरसे से काटा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना हरदुआगंज क्षेत्र के रहसूपुर गांव में गुरूवार की सुबह फुफेरे भाई ने 32 वर्षीय ममेरे भाई को पहले तमंचे से गोली मारने के बाद फरसे से काट कर मार डाला। पुलिस ने आरोपी बंटी को हत्या में प्रयुक्त तमंचे और फरसे के साथ हिरासत में ले लिया है। सीओ अतरौली राजीव द्विवेदी ने बताया कि देवू 6 अक्तूबर रात करीब 8:30 बजे रहसूपुर गांव पहुंचा था। वह गांव में अकसर आता जाता रहता था। प्रारंभिक पूछताछ में मामला प्रेम प्रसंग का सामने आ रहा है। हालांकि अभी आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

एसपी ग्रामीण अमृत जैन ने बताया कि गुरूवार को रहसूपुर गांव से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति का मर्डर हो गया है। प्राप्त सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस टीम एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौका मुआयना किया गया । क्राइम सीन को सुरक्षित कर फील्ड यूनिट टीम द्वारा साक्ष्य संकलित किये गए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा गया। तहरीर प्राप्त कर सुसंगत धाराओं में थाना हरदुआगंज पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है।मुख्य आरोपी को हिरासत में लिया गया है।

विद्युत पोल से स्कूटी टकराकर प्रॉपर्टी ड़ीलर की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना बन्नादेवी क्षेत्र के आरटीओ ऑफिस के पास बिजली के पोल से टकराकर स्कूटी सवार प्रोपर्टी डीलर की मौत हो गई। जिससे परिवार में मातम छा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के श्व का पोस्टर्माटम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। थाना सासनीगेट अंतर्गत जयगंज निवासी 55 वर्षीय अतुल सक्सेना प्रॉपर्टी डीलर थे।

परिवार में पत्नी पूनम, बेटी कृतिका, इशका और बेटा विपल्व हैं। तीनों बच्चे शहर से बाहर नौकरी करते हैं। परिजनों ने बताया कि 6 अक्तूबर को अतुल सक्सेना प्रॉपर्टी डीलिंग के सिलसिले में नोएडा गए थे। वहां से बस के जरिए सारसौल बस स्टैंड पहुंचे। फिर यहां से अपनी स्कूटी ली और घर आ रहे थे। राश्ते मे आरटीओ ऑफिस के पास बिजली के पोल से स्कूटी टकरा गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से पुलिस जिला अस्पताल लेकर पहुंची, यहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वन स्टॉप सेंटर से दो किशोरी गायब होने पर पुलिस के हाथ पैर फूले

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना क्वार्सी के बगल में बने सखी वन स्टॉप सेंटर से 6 अक्तूबर आधी रात को बाराबंकी व खैर की दो किशोरियां गायब हो गईं। दोनों परिवार से नाराज होकर घर छोड़ आई थीं। उन्हें काउंसिलिंग के लिए यहां रखा गया था। सुबह दोनों के गायब होने की खबर पर सेंटर स्टाफ व पुलिस में हड़कंप मच गया। बाराबंकी की किशोरी दोपहर में मडराक क्षेत्र में मिल गई। दूसरी किशोरी सूतमील बीमा नगर से मिली है।

वन स्टॉप सेंटर में एक बाराबंकी व दूसरी कस्बा खैर की है। दूसरी मंजिल पर बने कमरे में इन्हें रखा गया था। ये दोनों किशोरियां रात करीब ढाई बजे के आसपास अचानक से गायब हो गईं। जब पुलिस ने सीसीटीवी देखे तो पाया कि दोनों किशोरियों ने आराम से चाभी से दरवाजा खोला है। इसके बाद वे गायब हो गई हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी सर्वम सिंह ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे बाराबंकी की 14 वर्षीय किशोरी मडराक थाने की पीआरवी को आगरा रोड पर अकेले घूमते हुए मिल गई।

उसे वहीं पकड़कर वापस क्वार्सी थाने लाया गया। वहीं खैर 11 वर्षीय किशोरी पूर्व में भी घर से मां बाप के डांटने पर निकल आई थी। वन स्टॉप सेंटर प्रभारी सीमा अब्बास ने बताया कि वखैर की किशोरी आज दोपहर 1.30 बजे सूतमील बीमा नगर से मिल गई। मामले में एक किशोरी को पकड़ लिया गया है। दूसरी को खोजा जा रहा है। दोनों परिवारों से नाराज होकर आई थीं। बाकी प्रक्रिया की जा रही है।

युवा पीढ़ी अपनी ग्रोथ के साथ देश के लिए हो समर्पित : महापौर

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

साइंस एण्ड सम्स क्लासेज द्वारा सोमवार को रामघाट रोड स्थित एक होटल में ऑनलाइन शिक्षा हेतु एसएस एप का शुभारंभ हुआ एवं युवाओं को ऑनलाइन शिक्षा की महत्ता विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ।

सेमिनार एवं एसएस एप का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर प्रशांत सिंघल एवं विशिष्ट अतिथि एसीएमओ डॉ. दिनेश खत्री द्वारा किया गया। इस मौके पर एसएस क्लासेज की डायरेक्टर शिप्रा माथुर ने सरकार की मिशन शक्ति योजना 5.0 के तहत अपने योगदान हेतु छात्राओं के लिए घोषणा की कि एसएस क्लासेज द्वारा 50 छात्राओं को ऑनलाइन निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रशांत सिंघल ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत विजन के तहत एसएस क्लासेज का आज शुभारंभ हुआ है. आज की जनरेशन को एसएस क्लासेज के माध्यम से न सिर्फ नई सोर्स ऑफ एजूकेशन दी जाएगी, बल्कि क्लास के माध्यम से संस्कार भी मिलेंगे. उन्होंने छात्र और छात्राओं से अपील की कि युवा पीढ़ी न सिर्फ अपने देश के लिए समर्पित हो, बल्कि अपनी ग्रोथ के लिए समर्पित और अपने संस्कारों को साथ लेकर आगे चलेगी।

राजधानी को जाम से निजात दिलाएंगे

16 ट्रैफिक थाने, नई पहल से सड़क हादसों पर भी लगेगा अंकुश

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ की सड़कों को जाम से निजात दिलाने और सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए शहर में 16 ट्रैफिक थाने बनेंगे। यातायात पुलिस ने इसका प्रस्ताव बनाकर निदेशालय भेजा है। इसे मंजूरी मिलते ही प्रक्रिया शुरू होगी।

प्रस्ताव के मुताबिक, शहर के उन रूटों पर थाने बनाए जाएंगे जहां पर हादसे सबसे अधिक होते हैं और जाम की समस्या बनी रहती है। साथ ही शहर से जुड़ने वाले आगरा एक्सप्रेसवे, कानपुर हाईवे, सुल्तानपुर हाईवे, अयोध्या, रायबरेली और सीतापुर हाईवे पर ट्रैफिक थाने बनाने को प्राथमिकता जाएगी। क्योंकि, हाईवे पर हादसे व जाम की संभावना अधिक रहती है।

लखनऊ में जाम बड़ी समस्या है। इसके अलावा सड़क हादसों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। इससे लोगों की मौत हो रही है। इसे रोकने के लिए यह नई पहल की गई है।

लोकल थानों पर नहीं रहना पड़ेगा निर्भर : कमिश्नरेट में ट्रैफिक पुलिस विंग ही यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करती है। इसमें थानों की पुलिस सहयोग करती है, लेकिन मानक के हिसाब से पुलिसकर्मियों की संख्या कम है। जब ट्रैफिक थाने बनेंगे तो उनका मुख्य काम ही यातायात व्यवस्था को संभालना होगा। ट्रैफिक पुलिस की संख्या भी बढ़ेगी। इससे यातायात नियंत्रित करना आसान होगा।

हादसा होने पर घटनास्थल पर जल्द पहुंच सकेगी पुलिस : ट्रैफिक थानों से हाईवे का यातायात बेहतर होने की पूरी संभावना है। वहीं हादसों पर भी अंकुश लगेगा। यही नहीं हादसों के वक्त पुलिस की पहुंच भी जल्द होगी। अगर, शहर के भीतर की बात करें तो भी यातायात नियंत्रण में काफी मदद मिलेगी। कुल मिलाकर ये योजना कारगर साबित हो सकती है।

डीसीपी ट्रैफिक कमलेश कुमार दीक्षित ने बताया कि यातायात निदेशालय की तरफ से ट्रैफिक थानों का प्रस्ताव मांगा गया था। टीम गठित कर विस्तृत आंकलन किया गया। इसमें शहर में 16 ट्रैफिक थानों की जरूरत पाई गई। प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। अब निदेशालय आगे की प्रक्रिया शुरू करेगा।

महाकुंभ में दुबई के 50 श्रद्धालुओं की फर्जी होटल बुकिंग करने वाला गिरफ्तार, 18.90 लाख रुपये की लगाई थी चपत

प्रयागराज , एजेंसी। महाकुंभ के दौरान दुबई के 50 श्रद्धालुओं की फर्जी वेबसाइट से होटल बुकिंग कराने के मामले में फरार चल रहे ठग को साइबर पुलिस ने सोमवार को मेरठ से गिरफ्तार किया है। मेरठ के थाना ब्रह्मपुरी स्थित गोरीपुरा नई भगवतपुरा निवासी आरोपी शिवांशु भारद्वाज (33) पर सस्ते दामों में होटल बुकिंग के नाम पर 18.90 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है।

मूलरूप से दिल्ली के रहने वाले बृज मोहन गुप्ता दुबई में रहते हैं। उन्होंने साइबर पुलिस को बताया था कि महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज संगम में स्नान करने आना था। उनके साथ 50 श्रद्धालुओं का जत्था था। उन्होंने ऑनलाइन होटल बुकिंग के लिए शिवद्या कैंप के नाम से बनी वेबसाइट से मिले नंबर पर संपर्क किया।

मौनी अमावस्या के दिन श्रद्धालुओं के ठहरने की उत्तम व्यवस्था, वीआईपी स्नान व दर्शन कराने का लालच दिया गया। साथ ही कमरे की फोटो और सभी पैकेज दिखाकर कुल 18.90 लाख रुपये ले लिए। जब वह प्रयागराज आकर शिवद्या कैंप गए तो पता चला कि उनकी कोई बुकिंग नहीं है। शिकायत पर महाकुंभ साइबर पुलिस ने केस दर्ज कर प्रयागराज साइबर पुलिस को सौंप दिया था।

सोमवार को साइबर थाना प्रभारी अनिल कुमार वर्मा, कांस्टेबल रणवीर सिंह सेंगर, अतुल त्रिवेदी, प्रदीप कुमार यादव, रूप सिंह व अनुराग यादव की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक मोबाइल फोन, चार सिम, पांच एटीएम कार्ड और 515 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने स्नातक तक पढ़ाई की है और डिजिटल क्रिएटर का काम करता है। महाकुंभ के दौरान वह प्रयागराज आया था। तभी उसने शिवद्या कैंप की वेबसाइट की हूबहू नकल कर उसमें अपना मोबाइल नंबर डाल दिया।

शरद पूर्णिमा पर वीरता और भक्ति का अनूठा संगम, क्षीर सागर व ऑपरेशन सिंदूर की झांकी देख अभिभूत हुए लोग

अयोध्या , एजेंसी। श्रीराम की पावन धरती यानी रामनगरी अयोध्या एक बार फिर भक्ति और वीरता के संगम की साक्षी बनी। शरद पूर्णिमा के अवसर पर दंतधावन कुंड में भव्य झांकियां सजाई गईं। श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु की क्षीर सागर झांकी के दर्शन करके दिव्यता का अनुभव किया। वहीं, देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत ऑपरेशन सिंदूर की झांकी ने सबका मन मोह लिया।

हनुमानगढ़ी की सागरिया पट्टी के उत्तराधिकारी महंत संजय दास ने बताया कि यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। मान्यता है कि जब सम्पूर्ण सृष्टि जलमग्न थी, तब भगवान विष्णु प्रकट हुए और उनके नाभि से ब्रह्मा जी की उत्पत्ति हुई। उसी स्मृति में यह पर्व मनाया जाता है। इस वर्ष की विशेष झांकी ऑपरेशन सिंदूर वीर जवानों को समर्पित रही, जिन्होंने देश की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

धार्मिक आयोजन राष्ट्रभक्ति की भावना भी प्रज्ज्वलित करते हैं : हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन उत्तराधिकारी डॉ. महेश दास ने कहा कि अगर कोई हमारी तरफ आंख उठाएगा, तो हम माला भी उठाना जानते हैं और भाला भी। अयोध्या व्यापार मंडल के अध्यक्ष पंकज गुप्त ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की भावना को भी प्रज्ज्वलित करते हैं।

आ गई सर्दी ! अगले तीन दिन बारिश, 5.9 डिग्री गिरा आगरा का पारा, पश्चिमी विक्षोभ का दिखा

आगरा, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम ने करवट ले ली है। चिलचिलाती गर्मी से परेशान चल रहे शहरवासियों को मौसम ने सोमवार को ठंड का अहसास कराया। विक्षोभ का असर पूरे यूपी में सबसे ज्यादा आगरा में देखने को मिला। बारिश से तापमान में 5.9 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, प्रदेश के अन्य जिलों की अपेक्षा सबसे ज्यादा रही।

सोमवार को बादलों के साये में हुई आंधी-बारिश की वजह से आगरा में अधिकतम तापमान में अचानक गिर या। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार सोमवार को आगरा का अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं, न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री रहा था। विभाग ने अगले तीन दिन तक आसमान में बादल छाए रहने और शहर के कुछ इलाकों में बारिश का अनुमान जताया है। आगरा के बाद बलिया में अधिकतम तापमान में 4.9 डिग्री, मेरठ में 4.3, अलीगढ़ में 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

सुहाना रहा मौसम : आगरा के आसमान में छाए घनघोर काले बादलों ने मौसम को काफी सुहाना बना दिया है। मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार और मंगलवार को तेज आंधी के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया था। कहा गया था कि इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

जनजीवन प्रभावित : मौसम विभाग की इस चेतावनी के बीच सोमवार को सुबह से ही मौसम सुहाना बना रहा। दोपहर तीन बजे के बाद शुरू हुई बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। आंधी और बारिश के चलते दिन का अधिकतम तापमान अधिकतम 35.4 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान रविवार को 24.3 डिग्री से घटकर 30.8 डिग्री रिकार्ड किया गया।

मुनाफे के लिए बेच रहे मौत : आसानी से बन जाता कफ सिरप, किडनी-लिवर पर करता सीधा असर, नशीले

लखनऊ , एजेंसी। राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप कई बच्चों की मौत का कारण बन गया। ऐसे में ये सवाल उठना लाजिमी है कि दवा निर्माता कंपनियों से ऐसी गड़बड़ी कैसे हुई? इस पर राजधानी लखनऊ में विशेषज्ञों का कहना है कि अन्य दवाओं की अपेक्षा कफ सिरप में मिलावट आसान होती है। कम खर्च में ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए इसमें नशा बढ़ाने वाले तत्व भी मिला दिए जाते हैं। खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) के सूत्रों के मुताबिक, अन्य दवाओं के मुकाबले कफ सिरप तैयार करना आसान होता है। इसमें ज्यादा महंगे उपकरणों की जरूरत नहीं होती है। यही वजह है कि हरियाणा, उत्तराखंड व दिल्ली-एनसीआर में कई कंपनियां इस काम में लगी हैं और मोटा मुनाफा कमा रही हैं।

नशे के लिए भी किया जाता इस्तेमालः एफएसडीए सूत्रों ने बताया कि आमतौर पर कंपनियां नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को कम मात्रा में मिलाती हैं। ऐसे में सिरप घटिया होने के बाद भी लोगों पर बुरा असर नहीं डालते और कारोबार धड़ल्ले से चलता रहता है। वर्ष 2023 में महराजगंज के रास्ते बिहार व नेपाल भेजी जा रही कफ सिरप की खेप पकड़ी गई थी। इसमें अल्कोहल की मात्रा अधिक पाई गई थी। इसे नशे के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, खांसी में इस्तेमाल होने वाले सिरप 75 फीसदी सांद्रता वाले होते हैं। इसमें ग्लूकोज, सुक्रोज और माल्टोडेक्सट्रिन का प्रयोग होता है। इसमें मिश्रण को गाढ़ा करने वाले तत्व मिलाए जाते हैं। इसकी मात्रा बढ़ने पर यह जहरीला हो जाता है। कुछ सिरप में ग्लिसरीन मिलाई जाती है। इससे दवा गाढ़ी और मीठी बनती है।

48 फीसदी तक मिलाई गई थी ग्लाइकॉल की मात्रा : अधिकारियों के मुताबिक, ग्लिसरीन की जगह जब डाईएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे केमिकल मिलाए जाते हैं तो वह जहरीला हो जाता है। ये केमिकल ब्रेक ऑयल, पेंट में इस्तेमाल होते हैं। मध्य प्रदेश की जांच रिपोर्ट में भी यही बात सामने आई है कि कफ सिरप में ग्लाइकॉल की मात्रा 48 फीसदी तक मिलाई गई थी।

किडनी, लिवर पर ज्यादा असर

गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. अनिल गंगवार के मुताबिक, ग्लाइकॉल की मात्रा अधिक होने से किडनी और लिवर क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। इसी तरह नशा बढ़ाने के लिए अल्कोहल की मात्रा अधिक होने से भी लिवर व अन्य अंगों पर बुरा असर पड़ता है। सिरप में घटिया सामग्री या मानक से अधिक सामग्री की मिलावट का असर तेजी से होता है। इससे अंग क्षतिग्रस्त होते हैं और जान तक चली जाती है। मध्य प्रदेश के केस में बच्चों की मौत में किडनी फेल होने की बात सामने आ रही है।

यूपी में चार माह में 19 दवाएं मिलीं नकली : उत्तर प्रदेश में अप्रैल से अगस्त के बीच करीब 6154 नमूनों की जांच की गई। इसमें सभी तरह की दवाएं थीं। जांच में दवाओं के 19 नमूने नकली पाए गए। इस पर संबंधित कंपनियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराके दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई गई। ऐसे ही 155 नमूनों में शामिल तत्व मानक के अनुरूप नहीं मिले। इन दवाओं की बिक्री भी रोककर कंपनियों को चेतावनी दी गई है। 70 नमूनों में पैकिंग व अन्य तरह की कमियां मिलीं।

जिले में हर पांचवां मरीज टायफाइड से पीड़ित

बाराबंकी , एजेंसी। जांच में हर पांचवां मरीज टायफाइड पीड़ित मिल रहा है। इससे मरीजों में दहशत का माहौल है और लोग चिकित्सकों की सलाह के बिना ही जांच करा रहे हैं। लेकिन जिले में बुखार का प्रकोप कम नहीं हो रहा मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। चिकित्सक भी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं अस्पताल में मौजूदा समय में आने वाले बुखार पीड़ित जांच टायफाइड पॉजिटिव निकल रहे हैं।

जिला अस्पताल की ओपीडी में सोमवार को मरीजों की भारी भीड़ रही। इस दौरान करीब 1885 मरीज देखे गए, इनमें बुखार पीड़ितों की संख्या करीब 571 के आसपास रही। इसके अलावा बदन दर्द के 418, पेटदर्द के 389, त्वचा रोग के 527, हड्डी रोग के 384 मरीज देखे गए। पिछले एक सप्ताह से बुखार परेशान राजेंद्र, हरीप्रसाद, केशव प्रसाद ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा कराई गई जांच में टायफाइड की पुष्टि हुई। इन लोगों ने बताया कि पहले हम लोगों ने अस्पताल की पैथोलॉजी में जांच कराई इसके बाद निजी पैथोलॉजी पर जांच कराई दोनों रिपोर्ट टायफाइड पॉजिटिव आई हैं।

चिकित्सकों का कहना है कि यदि कोई भी बुखार पांच दिनों तक रहता है तो जांच में टायफाइड आएगा। इस समय बुखार एक सप्ताह के बाद ही उतरता है ऐसे में ज्यादा से ज्यादा मरीजों की जांच रिपोर्ट में टायफाइड ही निकल रहा है। पैथोलॉजी प्रभारी डॉ. वीपी सिंह ने बताया कि प्रतिदिन 450 से 500 लोगों की जांच की जाती है ज्यादातर मरीजों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. राजेश कुशवाहा बताते है कि इस समय सबसे ज्यादा मरीज टायफाइड के ही आ रहे हैं।

नाले की दीवार गिरी, गुणवत्ता पर सवाल

बिस्कोहर , एजेंसी। नगर के कई वार्डों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मंगलवार रात निर्माणाधीन नाले की दीवार गिर गई। लोग निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। नगर के वार्ड नंबर-13 पं. दीनदयाल नगर के तुलसीपुर मुख्य मार्ग के उत्तर दिशा में अजमल सिद्दीकी की दुकान के सामने से पश्चिम मोहल्ले तक नाले का निर्माण कराया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मंगलवार की रात हुई बारिश में लगभग 80 से 100 मीटर तक नाले की दीवार भरभरा कर गिर गई। स्थानीय लोगों ने नाला गिरने की शिकायत ईओ से की। सूचना पर अधिशासी अधिकारी अखिलेश दीक्षित ने विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच कराई जाएगी।

कस्बे के बादशाह, फिरोज, वदूद, राकेश इश्तियाक आदि ने बताया कि नाले के निर्माण में खराब सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। इसलिए करीब दस दिन पहले बनी नाले की दीवार पहली बारिश में ही ढह गई। इस मामले में ईओ का कहना है कि सूचना मिली है, जांच उपरांत नाले को बना रहे ठेकेदार से जवाब-तलब किया गया है। जवाब संतोषजनक न मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

काशी में हर दूसरे दिन एक व्यक्ति कर रहा देहदान, मेडिकल छात्रों के रिसर्च में आ रहा काम

वाराणसी , एजेंसी। आध्यात्मिक नगरी काशी में हर दूसरे दिन एक व्यक्ति देहदान कर रहा है। वैदिक काल से लेकर रीतिकाल तक काशी में मृत्यु से मोक्ष की बात मानी जाती थी। वर्तमान में मृत्यु के बाद देहदान के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। यह देहदान मेडिकल कॉलेज के छात्रों के लिए किया जा रहा है, ताकि छात्र शरीर के संरचनाओं पर रिसर्च कर चिकित्सक बन सकें। अपना घर आश्रम के आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में 158 लोगों का देहदान किया गया। अधिकतर शव बीएचयू आईएमएस को दिए जाते हैं। आश्रम के संचालक डॉ. के निरंजन बताते हैं कि जिन लोगों की पहचान नहीं हो पाती, उनके शवों को नियमानुसार आईएमएस बीएचयू को सौंप दिया जाता है।

डॉ. निरंजन बताते हैं कि आश्रम में कई बार ऐसे लोग भी पहुंचते हैं जिनकी मृत्यु स्वाभाविक कारणों से होती है। ऐसे मामलों में पुलिस की उपस्थिति में पंचनामा कराया जाता है। कोई परिजन नहीं मिलता है तो उनका देहदान कर दिया जाता है। हालांकि आकस्मिक मृत्यु होने पर पोस्टमार्टम के बाद शव रिसर्च के योग्य नहीं रहता।

आश्रम ने केवल स्वाभाविक मृत्यु वाले लोगों के देहदान की परंपरा शुरू की। डॉ. निरंजन बताते हैं कि देहदान पूरी तरह लोगों की इच्छा पर होता है। संस्थान को शव दान करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाता है कि तीन महीने तक उसे सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि कोई परिजन पहुंच जाए तो उसे शरीर सौंपा जा सके। इस अवधि के बाद शरीर मेडिकल कॉलेजों, विशेषकर काशी हिंदू विश्वविद्यालय को शोध कार्यों के लिए दिया जाता है।

डॉ. निरंजन के मुताबिक, दिसंबर 2018 से सितंबर 2025 तक 228 लोगों का देहदान कराया है। बीते एक वर्ष में 158 लोगों का देहदान किया गया है। एक साल के आंकड़े काफी चिंताजनक है। आश्रम से बीएचयू काफी पास में पड़ता है और पूर्वांचल के अन्य मेडिकल कॉलेज को शव लेने में आसानी हो जाती है। इस कारण से अधिकतर शवों को भेजा जाता है।

सुनील गावस्कर ने किया बड़ा खुलासा

रोहित शर्मा के लिए आने वाली है एक और बुरी खबर!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम में इन दिनों बड़े बदलावों का दौर चल रहा है. पहले रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी छीनी गई, और अब क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने एक ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस की चिंता और बढ़ा दी है. गावस्कर का कहना है कि आने वाले दिनों में रोहित शर्मा से जुड़ी एक और बुरी खबर सुनने को मिल सकती है.

अब और बुरी खबर के लिए तैयार रहिए

स्पोर्ट्स तक से बातचीत में सुनील गावस्कर ने कहा कि रोहित शर्मा का भविष्य अब टीम मैनेजमेंट की सोच और उनके खुद के फैसले पर निर्भर करेगा. गावस्कर ने कहा, अगर रोहित कोई स्पष्ट वादा नहीं कर रहे कि वे अगले दो साल तक वनडे खेलना जारी रखेंगे या नही, तो फैंस को आगे जाकर और बुरी खबर के लिए तैयार रहना चाहिए. उनके इस बयान से क्रिकेट जगत में चर्चा तेज हो गई है कि क्या रोहित शर्मा जल्द वनडे से संन्यास लेने वाले हैं या टीम मैनेजमेंट उन्हें अब धीरे-धीरे बाहर करने की योजना बना रहा है.

रोहित को अब विजय हजारे ट्रॉफी खेलनी होगी

गावस्कर ने यह भी कहा कि अगर रोहित शर्मा वनडे करियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहना होगा. उन्होंने कहा, रोहित जानते हैं कि अगर वे केवल वनडे क्रिकेट खेलते हैं, तो उन्हें बहुत कम मौके मिलेंगे. अब उन्हें खुद को साबित करने के लिए विजय हजारे ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट खेलने होंगे. शायद यही कारण है कि टीम मैनेजमेंट ने यह रुख अपनाया है. हाल ही में बीसीसीआई ने भी यह स्पष्ट किया था कि अब कोई भी खिलाड़ी, चाहे वह सीनियर ही क्यों न हो, घरेलू क्रिकेट खेले बिना भारतीय टीम में चयन का हकदार नहीं होगा.

कैलेंडर में नहीं बचा वनडे का ज्यादा स्थान

गावस्कर ने आगे कहा कि आने वाले दो सालों में भारत बहुत कम वनडे मैच खेलेगा, जिससे रोहित के लिए फॉर्म और फिटनेस बनाए रखना मुश्किल हो सकता है. उन्होंने आगे कहा, टीम इंडिया का शेड्यूल अब टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल पर केंद्रित है. अगर रोहित साल में सिर्फ 5-7 वनडे ही खेलते हैं, तो इतने कम मैचों में वर्ल्ड कप जैसी बड़ी तैयारी नहीं की जा सकती. उन्होंने कहा कि शायद इसी वजह से चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को भविष्य के कप्तान के रूप में तैयार करने का फैसला लिया है.

फैंस को लगा बड़ा झटका

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी. ऐसे में फैंस को उम्मीद थी कि वह वनडे में भी टीम की अगुवाई करते रहेंगे, लेकिन गावस्कर का यह बयान साफ इशारा करता है कि हिटमैन के करियर का वनडे अध्याय अब ढलान पर है.

महिला विश्व कप:

पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने वाला ऑस्ट्रेलिया बुधवार को यहां आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट में लय हासिल करने के लिए जूझ रही है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन अन्य टीम के प्रदर्शन से बिल्कुल अलग रहा है। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम अब तक टूर्नामेंट में 300 से अधिक का स्कोर बनाने वाली एकमात्र टीम रही है और पिछले दो मैच में बांग्लादेश और भारत के खिलाफ कमजोर दिखे पाकिस्तान के खिलाफ एक और बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने 300 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की आसान जीत दर्ज की थी।

टीम की नजरें रिकॉर्ड में सुधार करने वाले आठवें विश्व कप खिताब पर टिकी हैं। हालांकि सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली, बेथ मूनी और एनाबेल सदरलैंड जैसी बल्लेबाज लड़खड़ा रही हैं लेकिन एश्ले गार्डनर ने इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में शानदार शतक जड़कर अंत में मुकाबला एकतरफा बना दिया। एनाबेल सदरलैंड की तेज गेंदबाजी और सोफी मोलिन्यु की स्पिन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजी विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और इंग्लैंड, भारत तथा दक्षिण अफ्रीका जैसी कड़ी टीमों से मुकाबला करने से पहले टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अपनी रणनीति को और मजबूत करने की कोशिश करेगी। भारत के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला ने ऑस्ट्रेलिया को उपमहाद्वीप के मैदानों पर कड़ी मेहनत के लिए अच्छी तरह तैयार किया है और पाकिस्तान के उसे परेशान करने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश और भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान आठ टीम के टूर्नामेंट में अभी अंतिम स्थान पर है। हालांकि शनिवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ रद्द हुआ मैच ऑस्ट्रेलिया के लिए निराशाजनक रहा क्योंकि इसने टीम से दो अंक अर्जित करने और तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका छीन लिया।

फातिमा सना की अगुआई वाली पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश (सात विकेट से हार) और भारत (88 रन से हार) के खिलाफ मैच में खेल के सभी विभागों में कमजोर साबित हुई। टीम की बल्लेबाजी में गहराई की कमी और मध्यक्रम में अच्छे बल्लेबाजों की अनुपस्थिति के कारण पाकिस्तान टूर्नामेंट में अब तक दो मैच में 200 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया है। इन दो मैच में सिदरा अमीन, फातिमा सना और मुनीबा अली जैसी स्टार बल्लेबाज संघर्ष करती दिखीं। कप्तान सना और डायना बेग की अगुवाई में टीम की गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ लाइन और लेंथ के लिए जूझती दिखीं और 18 अतिरिक्त रन दे बैठीं। हालांकि चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया और बेग ने चार विकेट लिए। सिदरा अमीन के अर्धशतक के बावजूद बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं और टीम को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के संतुलन और अनुभव को देखते हुए पाकिस्तान के परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ होने के बावजूद उन्हें कड़ी टक्कर दे पाने की संभावना कम ही है। पाकिस्तान ने अपने दोनों विश्व कप मैच प्रेमदासा स्टेडियम में खेले हैं।

टीमें :

ऑस्ट्रेलियाः एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

पाकिस्तानः फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एयमान फातिमा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमस, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और सैयदा अरूब शाह।

रजत पाटीदार को बड़ा इनाम, सभी फॉर्मेट में मिली मध्य प्रदेश की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। रजत पाटीदार को मध्य प्रदेश टीम के सभी फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी गई है। उन्हें रणजी ट्रॉफी के साथ शुरू होने वाले 2025-26 के घरेलू सत्र से पहले यह जिम्मा सौंपा गया, जिसकी शुरुआत 15 अक्टूबर से होने जा रही है। 32 वर्षीय रजत पाटीदार ने शुभम शर्मा को बतौर कप्तान रिप्लेस किया है। पाटीदार को मध्य प्रदेश के क्रिकेट निदेशक चंद्रकांत पंडित ने यह जिम्मेदारी सौंपी। रजत पाटीदार को पिछले सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान कप्तान के रूप में पहली बार आजमाया गया था। पाटीदार ने अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पहली बार आईपीएल चैंपियन बनाया। इसके बाद मध्य प्रदेश को फाइनल तक लेकर गए, जहां टीम को मुंबई से हार का सामना करना पड़ा। रजत पाटीदार आईपीएल खिताब जीतने के बाद से शानदार कप्तानी कर रहे हैं, उन्होंने हाल ही में 2014-15 के बाद पहली बार सेंट्रल जोन को दलीप ट्रॉफी का चैंपियन बनाया है। हाल ही में पाटीदार ने ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया टीम का नेतृत्व किया, जिसमें ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़ और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे बड़े नाम शामिल थे। हालांकि, इस मुकाबले में उनकी टीम को विदर्भ के हाथों 93 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलियाः

मैथ्यू रेनशॉ को मिला वनडे डेब्यू का गोल्डन चांस

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज (शुरुआती दो मैच) के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। लिस्ट-ए में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैट रेनशॉ को शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है, जो अब वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर सकते हैं।

रेनशॉ ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका ए के विरुद्ध बतौर कप्तान 80, 106 और 62 रन की पारियां खेली थीं। 50 ओवरों के फॉर्मेट में आमतौर पर नंबर-3 या 4 पर बल्लेबाजी करने वाले 29 वर्षीय मैट रेनशॉ ने साल 2016 में टेस्ट टीम में डेब्यू किया था। यह बाएं हाथ का खिलाड़ी 14 टेस्ट मुकाबलों में 29.31 की औसत के साथ 645 रन बना चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं। मैट रेनशॉ ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में कुल 126 मुकाबले खेले, जिसमें 37.28 की औसत के साथ यह बल्लेबाज 7,681 रन अपने नाम कर चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से 23 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले।

वहीं, 76 लिस्ट-ए मुकाबलों में रेनशॉ ने 41.13 की औसत के साथ 2,756 रन जुटाए हैं। मैट रेनशॉ के साथ तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की वनडे टीम में वापसी हुई है, जो नवंबर 2024 के

बाद पहली बार वनडे मैच खेलने को तैयार हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19, 23 और 25 अक्टूबर को वनडे मुकाबले खेले जाने हैं, जिसके बाद 29 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 2 नवंबर, 6 नवंबर और 8 नवंबर को टी20 मैच खेले जाएंगे।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जांपा।

महिला वर्ल्डकप 2025:

महिला वर्ल्डकप में इस खिलाड़ी का तूफान! 5 मैचों में जड़े 4 शतक, स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 में साउथ अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स इन दिनों अपने बल्ले से तहलका मचा रही हैं. न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने शानदार शतक जड़कर न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई, बल्कि कई बड़े रिकॉर्ड भी तोड़ दिए. ब्रिट्स का यह पिछले 5 वनडे मैचों में चौथा शतक है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है.

87 गेंदों में ताबड़तोड़ शतक

कोलंबो के मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिट्स ने सिर्फ 87 गेंदों में शतक पूरा किया. उन्होंने अपनी 89 गेंदों की पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया. उनकी पारी ने साउथ अफ्रीका की पारी को मजबूत नींव दी और टीम ने 7 विकेट से मुकाबला जीत लिया.

5 मैचों में चौथा शतक

34 साल की ताजमिन ब्रिट्स के लिए यह समय करियर का सुनहरा दौर कहा जा सकता है. वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने 101 रन बनाए थे. पाकिस्तान दौरे पर भी नाबाद उन्होंने 101 और 171 रन की शानदार पारियां खेलीं, और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और शानदार शतक जड़ दिया. उनके इस प्रदर्शन से साउथ अफ्रीका की टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ा है, खासकर इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद.

सबसे कम पारियों में 7 शतक का रिकॉर्ड

इसी के साथ ही ताजमिन ब्रिट्स ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उन्होंने सिर्फ 41 पारियों में 7 वनडे शतक लगाए हैं. इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग के नाम था, जिन्होंने 44 पारियों में 7 शतक लगाए थे. ब्रिट्स ने इस रिकॉर्ड को 3 पारियों पहले ही तोड़ दिया.

स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड भी टूटा

भारत की स्टार बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना के नाम एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा वनडे शतक (4) का रिकॉर्ड था, लेकिन अब ताजमिन ब्रिट्स ने इसे भी पीछे छोड़ दिया है. ब्रिट्स ने 2025 में 5वां शतक लगाकर नया रिकॉर्ड बना दिया है. मंधाना ने 2024 में 4 शतक जड़े थे, जबकि 2025 में वह अब तक 4 शतक तक पहुंची हैं.

ब्रिट्स बनी साउथ अफ्रीका की रीढ़

ताजमिन ब्रिट्स का यह फॉर्म साउथ अफ्रीकी महिला टीम के लिए किसी वरदान से कम नही है. इंग्लैंड से शुरुआती हार के बाद उन्होंने टीम को संभाला और लगातार रन बनाकर टूर्नामेंट में वापसी कराई. अगर उनका यह फॉर्म जारी रहा, तो वह साउथ अफ्रीका को पहली बार महिला विश्व कप ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं.

भारत के लिए अच्छी खबर

ऋषभ पंत साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले मैदान पर कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर है। इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हुए ऋषभ पंत फिट होने की राह पर हैं। वह 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज से पहले मैदान पर दिख सकते हैं। पंत 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2025-26 रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में खेलते दिख सकते हैं। भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने पिछले महीने दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा करते समय कहा कि कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में खेलते दिख सकते हैं। जुलाई के अंत में इंग्लैंड दौरे पर ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार है कि वह रिहैब के अंतिम चरण में हैं और इस सप्ताह के अंत में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्वश्व) में उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा। तीन हफ्ते से भी ज्यादा समय पहले उनके पैर की प्लास्टर हटा दी गई थी और अब वह बिना किसी परेशानी के चल-फिर रहे हैं। उन्होंने फिर से बल्लेबाजी भी शुरू कर दी है। पंत के पहले राउंड में खेलने पर संदेह

अगर पंत को मंजूरी मिल जाती है तो उनके दिल्ली टीम से जुड़ने की उम्मीद है जो 15 अक्टूबर से हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के पहले दौर में खेलेगी। डीडीसीए को पंत के पहले राउंड में खेलने पर संदेह है। भारत-इंग्लैंड के चौथे टेस्ट मैच में क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने के प्रयास में चोटिल होने से पंत मैदान से बाहर हैं। उन्हें चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा और स्कैन में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। अगले दिन पंत बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर सके। उन्होंने चार टेस्ट मैचों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

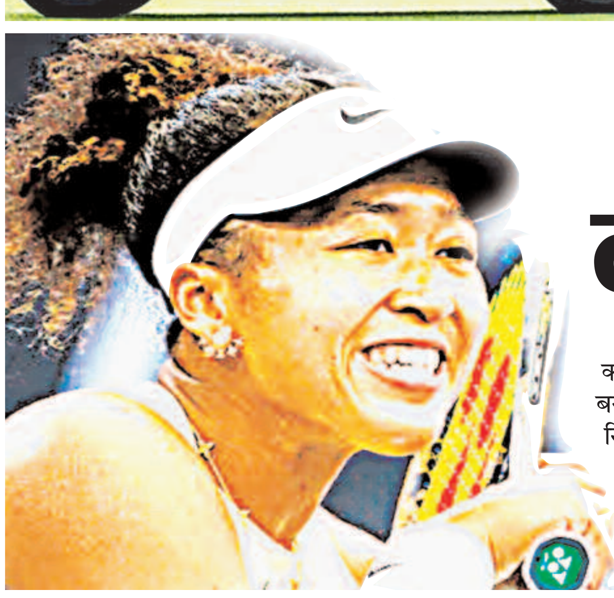

ओसाका ने वुहान ओपन में लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन), एजेंसी। नाओमी ओसाका ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। ऐमा राडुकानु जब आन ली के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रहीं थीं तो उन्हें चक्कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। वह दूसरे दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी लुइडमिला सैमसोनोवा से भिड़ेंगी जिन्होंने एमिलियाना एरेंगो को 6-1, 7-5 से शिकस्त दी। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक मेरी बुजकोवा के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले के साथ वुहान टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

संजू सैमसन का नंबर कब आएगा, टी-20 में ओपनिंग पोजिशन से हटाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। 2015 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने वाले संजू सैमसन 2023 तक महज 24 टी-20 मैच ही खेल सके थे। आखिरकार 2024 वर्ल्ड कप के बाद उनकी भारतीय टी-20 टीम में जगह पक्की हुई। उन्होंने फिर ओपनिंग करते हुए 5 महीनों में 3 शतक लगा दिए। लगा कि अब संजू भारत के लॉन्ग टर्म ओपनर होंगे। लेकिन, एशिया कप में उन्हें अपनी जगह शुभमन गिल के लिए खाली करनी पड़ गई। संजू ने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी की। फाइनल में जब भारतीय टीम 20 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी तब उन्होंने तिलक वर्मा के साथ 57 रन की पार्टनरशिप लगाई और भारत की मैच में वापसी कराई। इसके बाद माना जा रहा था कि संजू ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की वनडे टीम में भी जगह बना लेंगे। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं। मुख्य विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल चुने गए और बैकअप के तौर पर ध्रुव जुरेल टीम में आ गए। संजू बाहर रह गए।